AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 1

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 225 मंगलवार 17 जून 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पहलगाम टेरर अटैक पर एफएटीएफ में फंसेगा पाकिस्तान

ग्रे लिस्ट में डालने का आधार ऐसे हुआ मजबूत...

नई दिल्ली,16 जून 2025(ए)। पहलगाम टेरर अटैक के बाद पाकिस्तान को फाइनैंशल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में डाले जाने का आधार मजबूत होता दिख रहा है। एफ एटीएफ ने पहलगाम में इस साल 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि उसने अब टेरर फाइनैंसिंग से लड़ने के लिए विभिन्न देशों की ओर से उठाए गए कदमों पर फोकस बढ़ा दिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनैंसिंग के खिलाफ काम करने वाली वैश्विक संस्था एफएटीएफ ने कहा कि पहलगाम हमला 'आतंकवादी समर्थकों के बीच पैसे की आवाजाही के बिना नहीं हो सकता था।'

एफएटीएफ ने तीसरी बार की टेरर अटैक की निंदा

यह घटनाक्रम इस मायने में खास है कि पिछले एक दशक में एफएटीएफ की ओर से किसी टेरर अटैक की निंदा का यह तीसरा मौका है। साथ ही,एफएटीएफ ने पहली बार 'स्टेट स्पॉन्सर्ड टेररिज्म' का कॉन्सेप्ट अपनी एनालिसिस में शामिल किया है और इसे फंडिंग सोर्स के रूप में चिन्हित किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि इससे पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही चिंता का पता चलता है।

टेरर फाइनैंसिंग रिस्क एंड कॉन्टेक्स्ट किट तैयार

एफएटीएफ जल्द ही टेरर फाइनैंसिंग पर एक विस्तृत एनालिसिस जारी करेगा। इसने टेरर फाइनैंसिंग रिस्क एंड कॉन्टेक्स्ट किट तैयार की है, जिससे पाकिस्तान जैसे देश अपने इलाकों से हो रही हरकतों के बारे में एफएटीएफ के सामने गलतबयानी न कर सकें। साथ ही, वह टेरर फाइनैंसिंग रिस्क के बारे में महीनेभर में एक रिपोर्ट भी जारी करेगा।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'यह पहली बार है जब एफएटीएफ ने फंडिंग सोर्स के रूप में राज्य प्रायोजित आतंकवाद का कॉन्सेप्ट शामिल किया है। केवल भारत का नेशनल रिस्क असेसमेंट ही पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को टेरर फाइनैंसिंग रिस्क के रूप में चिन्हित करता है। अब एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह कॉन्सेप्ट आने से पता चलता है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ रही है। एफएटीएफ के एशिया पैसिफिक ग्रूप की अगस्त में होने वाली बैठक में पाकिस्तान की हरकतों का पूरा ब्योरा रखकर उसे ग्रे लिस्ट में डालने का जोर लगाया जाएगा।'

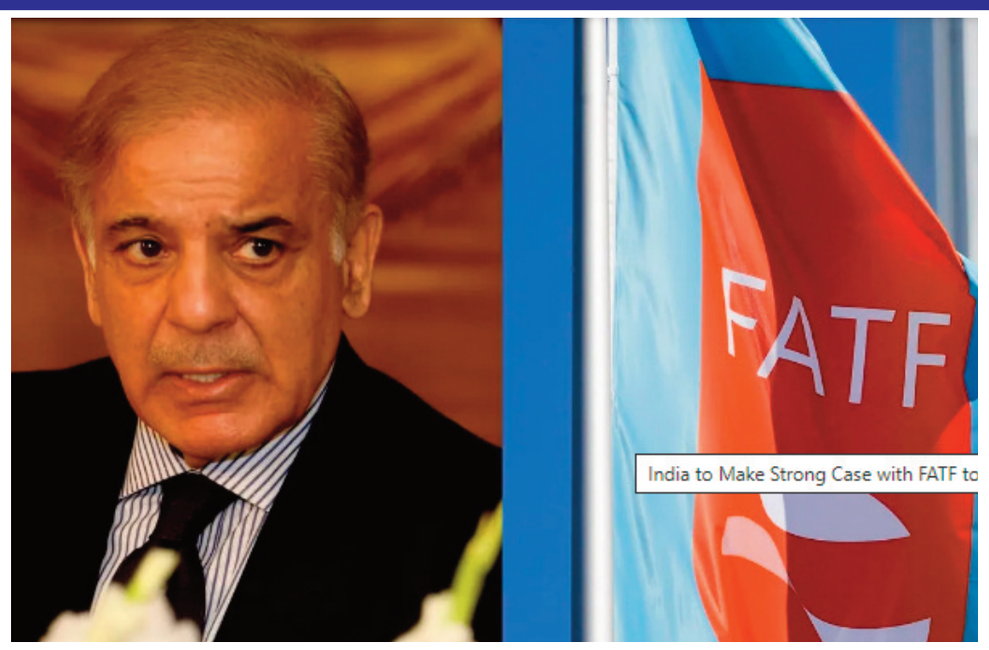

2018 में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाला था

एफएटीएफ ने 2018 में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाला था। हालांकि 2022 में उसे इस वादे पर लिस्ट से बाहर किया गया कि वह एफएटीएफ की शर्तों के मुताबिक काम करेगा। उसने टेरर फाइनैंसिंग के खिलाफ एक कानून बनाने का वादा भी किया था। हालांकि उसने वह कानून नहीं बनाया है। एफएटीएफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेरर फाइनैंसिंग और मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के लिए काम करने वाली वैश्विक संस्था है, जिसमें भारत सहित कई देश सदस्य हैं। इसने टेरर फाइनैंसिंग रोकने के प्रयासों से जुड़े अपने बयान में पहलगाम हमले का जिक्र किया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

एटीएफ संगठन ने पाकिस्तान के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

आतंकवादी हमले की निंदा करता है। यह और हाल में हुए दूसरे हमले आतंकवादी समर्थकों के बीच पैसे की आवाजाही के बिना नहीं हो सकते थे। एफएटीएफ ने इससे पहले किसी बड़े आतंकवादी हमले की निंदा 2015 और 2019 में की थी। बयान में कहा गया, 'एफएटीएफ अपने ग्लोबल नेटवर्क में शामिल 200 से अधिक ज्यूरिस्डिक्शंस को सपोर्ट दे रहा है, जिससे वे टेरर फाइनैंसिंग के खिलाफ अपना उपायों को मजबूत कर सकें।'

महत्वपूर्ण खबर

साइप्रस ने पीएम मोदी को दिया सर्वोच्च सम्मान

21 देश कर चुके हैं सम्मानित

साइप्रस,16 जून 2025(ए)। प्रधानमंत्री मोदी की साइप्रस यात्रा का आज दूसरा दिन है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान,ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया। मोदी ने कहा, मैं साइप्रस की सरकार और वहां के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। यह न केवल नरेन्द्र मोदी के लिए बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के लिए सम्मान की बात है। यह उनकी क्षमताओं और इच्छाओं के प्रति सम्मान है। यह हमारी संस्कृति,भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्शों के प्रति श्रद्धांजलि है।

जनगणना का इंतजार खत्म

गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली,16 जून 2025(ए)। जनगणना को लेकर लंबे समय से जारी असमंजस अब समाप्त हो गया है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत एक अधिसूचना जारी करते हुए आधिकारिक रूप से जनगणना और जातीय जनगणना की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी है। अधिसूचना के अनुसार, देश की अगली जनगणना वर्ष 2027 में कराई जाएगी।

अमरोहा के पटाखा फैक्ट्री में हुआ ब्लास्ट

» 5 महिलाओं की समेत 6 की मौत, 12 गंभीर रूप से झुलसे

» मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम मौजूद

अमरोहा,16 जून 2025(ए)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में सोमवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। हादसे में 5 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक मजदूर बताए जा रहे हैं।फैक्ट्री अतरासी गांव के जंगलों में चल रही थी। हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। कुछ लोग मलबे में दबे हैं।

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा से पहले ओडिशा सरकार ने जारी की गाइडलाइन

पुरी,16 जून 2025(ए)। 27 जून को रथ यात्रा। इस रथ यात्रा को देखने के लिए पुरी में जनसैलाब उमड़ पड़ता है। इस स्थिति में,ओडिशा सरकार ने रथ यात्रा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। बताया गया है कि जगन्नाथ,बलराम या सुभद्रा के रथ पर श्रद्धालुओं के अलावा कोई भी व्यक्ति चढ़ने पर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रविवार को पुरी रथ यात्रा के संबंध में मंदिर समिति के साथ बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा, केवल सेवादारों को ही रथ पर चढ़ने की अनुमति होगी। जो कोई भी बिना अनुमति के रथ पर चढ़ने की कोशिश करेगा,उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसके लिए ओडिशा सरकार ने मंदिर समिति से श्रद्धालुओं के नामों की सूची मांगी है। मंत्री ने यह भी कहा कि सैन्यकर्मियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग पर कई प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷किसी भी सेवाकर्मी को मोबाइल फोन लेकर रथ पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

रथ यात्रा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुरी आते हैं। परिणामस्वरूप, सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार के लिए एक चुनौती है। ओडिशा के डीजीपी ने विभिन्न अधिकारियों के साथ इस बात पर चर्चा की है कि इस स्थिति में रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी। उन्होंने कहा कि पुरी से भुवनेश्वर और कोणार्क तक की सड़कों पर सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं। इस बीच खबर है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुरी टाउन पुलिस स्टेशन में एक नियंत्रण केंद्र स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि रथ यात्रा के दौरान पुरी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया जा रहा है। ओडिशा सरकार ने गृह मंत्रालय से भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा उद्देश्यों के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का अनुरोध किया है।

दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 315 में आई तकनीकी खराबी

वापस हांगकांग उतारा गया...

नई दिल्ली,16 जून 2025(ए)। हांगकांग से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई315 को बीच उड़ान में तकनीकी समस्या का संदेह होने के बाद वापस हांगकांग एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार दिया गया है. सूत्रों के मुताबिक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर द्वारा संचालित यह फ्लाइट एआई315 हांगकांग से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी. लेकिन तकनीकी दिक्कत आने की वजह से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट एआई315 को हॉन्गकॉन्ग वापस उतारना पड़ा.

36 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 6 साल बाद सिक्किम के गंगटोक पहुंचा

गंगटोक,16 जून 2025(ए)। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था छह साल बाद सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा। तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होते हुए कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचेंगे एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि 20 जून को तीर्थयात्री भारत-चीन सीमा पार करेंगे। उन्होंने कहा कि समूह, जिसमें विदेश मंत्रालय के दो अधिकारी भी शामिल हैं,रविवार शाम को गंगटोक पहुंचा। पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सी एस राव ने कहा कि तीर्थयात्री पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बागडोगरा हवाई अड्डे पर उतरे और सड़क मार्ग से गंगटोक पहुंचे। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों ने रेनॉक में एक बंगले में उनका स्वागत किया।

खिदिरपुर बाजार में लगी भीषण आग

करोड़ों की संपत्ति जलकर खाक

कोलकाता,**16 जून 2025(ए)।** कोलकाता के खिदिरपुर इलाके में रविवार देर रात आग लगने से अफरातफरी मच गई। इसके बाद सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद एक-एक कर 20 दमकल गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं। सोमवार सुबह तक आग जलती रही। दशकों पुराने इस बाजार में आग लगने से कई दुकानों को नुकसान पहुंचा। व्यापारियों का कहना है कि आग में करोड़ों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गयी। आग लगने की सूचना पर दमकल मंत्री सुजीत बसु,कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी घटनास्थल पर पहुंचे। व्यापारियों की मानें तो रविवार को रात करीब 1:15 बजे खिदिरपुर के बाजार में आग लगी। आग तेजी से फैलते हुए विकराल रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि सूचना दिए जाने के बावजूद दमकल की गाडिय़ां देर से पहुंचीं,इसलिए ज्यादा नुकसान हुआ।

3.01 कैरेट का हीरा मिलने से चमकी किसान की किस्मत

पन्ना,16 जून 2025(ए)। रत्नगर्भा धरती पन्ना ने एक फिर नया हीरा उगला है जिसमें किसान की किस्मत खुल गई। किसान ने हीरा कार्यालय पन्ना में हीरे को जमा करवाया है। हीरे का वजन 3.01 कैरेट है जिसकी अनुमानित कीमत 8 से 10 लाख रुपए आंकी जा रही है, जो आगामी नीलामी में बिक्री के लिए रखा जाएगा। हीरा मिलने वाले किसान राकेश गिरी गोस्वामी ने बताया कि हीरा मिलने की बहुत खुशी है। हीरे का वजन 3.01 कैरेट है. इसकी अनुमानित कीमत 8 से 10 लाख रुपए बताई जा रही है।

23 साल की मॉडल शीतल चौधरी की गला रेतकर हत्या

नहर में मिली लाश,बॉयफ्रेंड पर शक

नई दिल्ली,16 जून 2025(ए)। हरियाणा के सोनीपत जिले में मॉडल शीतल उर्फ सिम्मी चौधरी की लाश सोनीपत के खांडा गांव के पास खरखौदा नहर में मिली। उनके गले पर गहरे घाव और शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार पानीपत की रहने वाली शीतल (उर्फ सिम्मी चौधरी) शनिवार (14 जून) को शूटिंग के लिए घर से निकली थीं। उसी दिन उन्होंने अपनी बहन नेहा को फोन कर बताया कि उनका बॉयफ्रेंड सुनील उन्हें मारपीट कर जबरन अपने साथ ले जा रहा है। इसके बाद कॉल कट हो गया। रविवार सुबह सुनील की कार दिल्ली पैरलल नहर में डूबी मिली, जिसमें से स्थानीय लोगों ने सुनील को बचा लिया,लेकिन शीतल का कोई पता नहीं चला। नेहा ने इसराना थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। सोमवार सुबह सोनीपत के खरखौदा नहर में शीतल का शव बरामद हुआ। उनके हाथ और छाती पर बने टैटू से उनकी पहचान हुई। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से हत्या के तरीके और समय का पता चलने की उम्मीद है। परिजनों ने भी सुनील पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि शीतल के परिवार ने पहले भी सुनील के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी,जिसकी जांच की जा रही है। शीतल की बहन नेहा ने बताया कि शीतल शनिवार को पानीपत के गांव शहर में किसी शूटिंग या कार्यक्रम के लिए गई थीं। वहां से सुनील उन्हें जबरन अपनी कार में बैठाकर ले गया। परिजनों ने सुनील पर शीतल को लगातार परेशान करने का भी आरोप लगाया है।

जब बंदर ने 500 के नोटों की बारिश की

कोडैकनाल,16 जून 2025(ए)। तमिलनाडु के मशहूर हिल स्टेशन कोडैकनाल के गुना केव्स इलाके में एक हैरान करने वाली और मजेदार घटना ने सभी का ध्यान खींचा है। एक बंदर ने कर्नाटक से आए पर्यटकों के बैग से 500 रुपये के नोटों की गड्डी छीनी और पेड़ पर चढ़कर नोटों को एक-एक कर हवा में उड़ा दिया। इस अनोखी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान होने के साथ-साथ हंसी भी नहीं रोक पा रहे हैं। कर्नाटक से आए कुछ पर्यटक गुना केव्स के पास घूम रहे थे। उनके बैग में 500-500 रुपये के नोटों की एक गड्डी थी, जो रबर बैंड से बंधी हुई थी। अचानक एक चपल बंदर ने मौका देखकर बैग से नोटों की गड्डी छीन ली और तेजी से पेड़ की ऊंची टहनी पर चढ़ गया। पर्यटकों को पहले लगा कि उनके पैसे अब वापस नहीं मिलेंगे, लेकिन बंदर ने जो किया, वह किसी ने नहीं सोचा था। उसने नोटों को एक-एक करके निकाला, कुछ को फाड़ने की कोशिश की और फिर उन्हें हवा में फेंकना शुरू कर दिया। नीचे खड़े पर्यटकों और अन्य लोगों ने इस नजारे को अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब इंटरनेट पर धूम मचा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल, मजेदार हो रही प्रतिक्रियाएं

वायरल वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। लोग इस अनोखी घटना पर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बंदर को भी पता है कि नोटों की वैल्यू अब कम हो गई है! वहीं, कुछ लोगों ने मजाक में कहा कि शायद ये नकली नोट थे। कई यूजर्स ने इसे मनी रेन का नाम देते हुए बंदर की इस हरकत को मनी हाइस्ट से जोड़कर देखा। यह वीडियो कोडैकनाल की खूबसूरती के साथ-साथ इस मजेदार घटना को भी दुनिया भर में चर्चित कर रहा है।

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 2

संपादकीय

पाकिस्तान पारी से हारा

भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान पर भारत की निर्णायक जीत का जिक्र करने के लिए क्रिकेट की एक आकषर्क उपमा का इस्तेमाल किया। कहा कि भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पारी से हरा' दिया। जनरल चौहान सावित्री बाई फुले पुणो विविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित भविष्य के युद्ध और संघर्ष' पर अपना भाषण पूरा करने के उपरांत सीडीएस वहां मौजूद विद्वानों के सवालों का जवाब दे रहे थे। क्रिकेट की उपमा देने से पहले जनरल चौहान ने फुटबॉल मैच का जिक्र किया था। कहा था, मान लीजिए आप एक फुटबॉल मैच में जाते हैं, और 4-2 से जीत जाते हैं, प्रतिद्वंद्वी ने दो गोल किए और आपने चार गोल किए।तो यह बराबरी का मैच रहा। इसके तुरंत बाद उन्होंने रूपक के जरिए शत्रुता के परिणाम के बारे में स्पष्ट रूप से अंतर समझाने के लिए क्रिकेट का सहारा लिया। इस प्रकार भारत के शीर्ष कमांडर ने प्रकारांतर से भारत को हुए नुकसान की बात भी कही जब कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि नुकसान महत्त्वपूर्ण नहीं होता, परिणाम महत्त्वपूर्ण होता है।उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को भारत हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल रहा है,और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए से सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत ने स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींच दी है। दरअसल, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के नजरिए अब स्पष्ट बदलाव देखा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले से कुछ रोज पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने भारत को लहुलुहान करते रहने की कुत्सित मंशा जतलाई थी।उसके कुछ रोज बाद ही पहलगाम की बैसरान घाटी में सैलानियों पर हमला करके पाकिस्तान ने अपने कुत्सित मंसूबे को पूरा करने का प्रयास तो किया लेकिन भारत ने पूरी सख्ती से जवाब देते हुए उसकी जमीन पर चल रहे आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त करके मुकम्मल जवाब दे दिया।अब सीडीएस का यह कहना कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वी को हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल पड़ा है, तो यह पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी है कि नहीं संभला तो अपना खासा नुकसान कर बैठेगा। और किसी अन्य देश से मदद लेना भी उसके काम नहीं आने वाला। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व की दृढ़ता ने भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ा दिया है।

विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस पर आज विशेष

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण,भूमि का दोहन,जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है,इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य'है,संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं-हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही,हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी। भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है,जलवायु कार्रवाई का

समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क,अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है,इन स्थानों पर सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता,बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है,जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ,वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं,इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान,महाराष्ट्र,गुजरात,जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थली करण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सोचा आज तकलीफ को तकलीफ का एहसास करा दूं मैं...

सोचा आज तकलीफ को तकलीफ का एहसास करा दू-मैं उम्फ़ कितना दर्द है इन लिखी

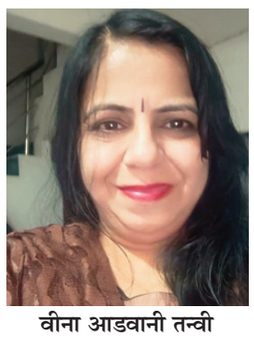

वीना आडवानी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

पंक्तियों मे। एक लेखक की इन पंक्तियों को पढ़ जैसे कलेजा ही फटने लगा ऐसा लगा भीतर ही भीतर एक दर्द भरी चीख दब के रह गई है जो चीख-चीख कर कहना तो बहुत कुछ चाहती पर कह नहीं पा रही अपने अंतर्मन की वेदना को बस घुटा जा रहा अपनी खामोशियों के बोझ तले। जरूरी नहीं की हर एक वेदना सिर्फ मोहब्बत तले ही मिले कुछ वेदना जिंदगी के जिम्मेदारी के बोझ तले भी मिल जाती है। जिम्मेदारी जिसे वहन करने के लिये जी तोड़ मेहनत के बाद भी अक्सर किस्मत ऐन मौके पर धोखा भी दे जाती है तब इंसान अकेला निरस सी भरी जिंदगी जी तो रहा है परंतु सिर्फ जी रहा है। जिंदगी का बिना रसोस्वाद लिये। हार कर गिर जाता बहुत बार तो खुद से ही, फिर उठने की कोशिश कर अभी कुछ चलना शुरू ही करता की चहु ओर से उसके कानों में दुनिया के सुनाई देने वाले ताने उसे उठाने के बजाय उसे निराशा के दलदल मे धकेलना का काम ही करते। लेखक फिर कचोटते हुए चाह कर भी उठ नहीं पाता। जब कोई अपने भीतर के दर्द भरे उबाल को सबके समक्ष रखने में असमर्थ होता है तो एसे में उसके

जीवन में उसकी सच्ची साथी बनकर जो उसके पास ईश्वर की परमकृपा से प्राप्त होती है वो है उसकी कलम।

बिल्कुल सही सुना एक लेखक/लेखिका के लिये उसका जो सच्चा साथी या कह लो जो उसकी हमसफ़र है वो है उसकी धारदार कलम जो उन लोगों को जवाब देती जिन्होंने उनके उस हृदय पर आघात किया था वो भी उस समय जब उसे ऊपर उठाने वालों, सहयोग करने वालों का साथ चाहिए था। जब उसे अपनेपन, सम्मान, ममता की जरूरत थी परंतु हुआ क्या उस समय ठीक उसी के विपरित। तब लेखक अपने अंतर्मन कि वेदना जो सबको कहना चाहता पर बिना सहयोग, हताश हो किसी से कह नहीं पाता। तब कलम पाकर वो अपने भीतर की हर एक वेदना को लिखकर शब्दों में बयां कर दुनिया के समक्ष रखता तब वही लोग जो उसे कोसते थे वही उसके लिखे हर एक दर्द, पीड़ा, असहाय, आंसूओं को शब्दों में पढ़ वाह-वाही करने लगते। उसका हौसला अफजाई करते। उसे कहते वाह क्या बात है। वगैरह-वगैरह। मतलब जो बात एक आम इंसान सीधे-सीधे कहकर सभी से दुत्कार ही पाया, जिसे फालतू इंसान समझ सभी ने अपने घमंड तले रौंद डाला। जिसका सब ने मज़ाक उड़ाया आज वही लोग उसके उसी दर्द, पीड़ा पर वाह-वाही कर रहे और कहते उम्फ़ कितना दर्द है तेरे भीतर। मतलब यहाँ उस आम इंसान की नहीं उसके दर्द भरे जज़्बात, उसकी कलम की इज्जत है। उसको मिले लेखक नाम को लोग इज्जत देकर प्रोत्साहित कर रहे। ये है एक लेखक के अंतर्मन के भाव जो वो रूह से लिखता है । अधिकतर लेखक के भाव उसके जीवन के असल किस्से ही होते हैं पाठक को लगता लेखक सिर्फ यहाँ-वहाँ के नजारे देखकर या यहाँ-वहाँ के लोगों से प्रेरित होकर लिखता है दरअसल ऐसा नहीं है हर विषय पर लेखक की लिखी कविता, लेख या कहानी, ग़ज़ल वगैरह काल्पनिक हो, हो सकता है लेखक ने अगर दर्द पर लिखा हो तो हो सकता है वो भीतर से टूटा हुआ गहरे दर्द या सदमे में हो। अगर प्रेम पर लिखा हो तो वो आज पूरी तरीके से वात्सल्य, प्रेम में डूबा श्रृंगार रस सजा रहा हो। या विभिन्न भावों अनुसार वो महसूस कर लिख रहा हो। इसलिए लेखक के लिखे हर एक भाव को गहराई से पढ़ आप एक लेखक के अंतर्मन को बहुत ही बेहतरीन तरीके से समझ सकते हो।

सोचा आज तकलीफ को तकलीफ का एहसास करा दू- मैं यही सोच आज मैंने भी स्वयं के साथ-साथ एक लेखक के हृदय के उन तारों को पाठकों के रूह से छूने की कोशिश की है शायद आज तकलीफ को तकलीफ का एहसास करवाते-करवाते शायद इतने वर्षों में मैं दर्द-ए शायरा आप सभी के समक्ष उभर आई है। हर एक शायर/शायरा जिंदगी के हर एक पहलुओं को सजाने की कला नहीं पाता परंतु दर्द ए शायर/शायरा अपनी रूह पर लगी चोट बहुत ही बेहतरीन तरह सजा कर परोस सकता है और कुछ लेखक तो ऐसे होते की अपने ही सजाए शब्दों से पाठक की रूह को छलनी कर देते हैं। यही है विभिन्न विषयों पर विभिन्न लेखकों की प्रतिक्रिया का सफर की -

कलम जो पाई लेखक ने
वो आम से खास हो गये।।
शब्दों से जरा खेला क्या
सभी के दिलों के पास हो गये।।

कविता
फुर्सत और वादा ...

घटती-घटना

राजेन्द्र लहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

वादा था सात जन्मों तक साथ निभाने का,
बिना बताए साथ छोड़ नहीं जाने का
सोती पत्नी को देख बूढ़ा डर गया,
सांस चेक करने से पहले सिहर गया,
मगर बुढ़िया जीवित व सजान थी,
पति के लिए मंत्र व अजान थी,
बूढ़ा बोला तेरे सिवा दुनिया में मेरा कौन है,
हमें भुला सारा रिश्ता मौन है,
बेटे-बहू को कमाने से फुर्सत नहीं,
मोबाईल वाले पोते पोतियों को
अपने दादा दादी की जरूरत नहीं,
बुढ़िया बोली बुढ़ऊ तुझे छोड़ूंगी नहीं,
तुझसे कभी मुंह मोड़ूंगी नहीं,
मगर अगले दिन बुढ़ऊ जगाता रह गया,
बुढ़िया को आवाज लगाता रह गया,
मगर बुढ़िया जा चुकी थी बहुत दूर,
साथ लेती गयी साथ न छोड़ने का फितूर,
वादा भी टूटा,फुरसतियों का साथ भी टूटा,
अपनों के साथ छाया भी रूठा,
उस बूढ़े का शक्ल मुझे याद आ रहा है,
शायद मेरी कहानी को
समय आज पहले दिखा रहा है।

आधुनिकता से बिखरते परिवार और त्रासदी झेलते बच्चे और बुजुर्ग

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों-पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाती है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका है। बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका है। महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई है। बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैद्य करोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंद्य इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी। भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है। सैकड़ों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं। हमें कोविड-19 के आतंक के

साए को भी नहीं भूलना चाहिए। हमे लगातार सावधानी रख कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ संगठन की गाइडलाइंस के अनुसार अपना आचरण रखना होगा। अन्यथा कोविड-19 की तीसरी लहर फिर भारत के निवासियों को परेशान कर सकती है। भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर की शुरुआत बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक हो चुकी है। इसके लिए हमें अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। मैंने पहले भी कहा था कि करोना का केरल हॉटस्पॉट बन चुका है। अब दिल्ली, मुंबई चेन्नई अहमदाबाद तथा पूर्वोत्तर राज्य मैं भी कोविड-19 की तीसरी लहर के आंकड़े डरावने हो गए हैं। करोना का डेल्टा वैरीअंट यानी करोना की तीसरी लहर हर जगह फैलने लगी है।

अब यह संक्रमण भारत के महानगरों में फैलने की आशंका को लेकर आया है। दिल्ली, मुंबई कोलकाता, अहमदाबाद,चेन्नई से कोविड-19 की तीसरी लहर अपना पैर पसार चुकी है। और यदि आपने अपने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया,लगातार हाथ नहीं धोया, लोगों से 2 गज की दूरी नहीं रखी और भीड़ भाड़ में जाने से नहीं बचे, तो निश्चित तौर पर कोविड-19 का डेल्टा वैरीअंट को आने से कोई नहीं रोक सकता है । वैसे भी विश्व में इंडोनेशिय,मलेशिया,थाईलैंड, ब्रिटेन,फ्रांस,ब्राजील, अर्जेंटीना,अमेरिका मैं डेल्टा वैरीअंट के तेजी से हजारों प्रकरण बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेल्टा वैरीअंट के संक्रमण का भयानक प्रकोप झेल रहा है। भारत में भी पूर्वांचल प्रदेशों में मिजोरम,असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में तीसरी लहर के आसार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। ब्रिटेन, अमेरिका,और फ्रांस जैसे उच्च शिक्षित देशों के नागरिकों ने लॉकडाउन हटते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का उल्लंघन कर कोविड-19 की तीसरे संक्रमण की लहर को आमंत्रित कर लिया है। अमेरिका के स्वास्थ विभाग के वैज्ञानिक डॉ मूर्ति ने यहां तक कहा कि अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को तीसरी लहर के अल्फा बीटा गामा कप्पा और डेल्टा वैरीअंट से बचने के लिए इंजेक्शन का बूस्टर डोज लगाना पड़ेगा, तभी लोगों की जान बच पाएगी। 24 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश अब तक करोना की लहर से लड़कर उसे दबाने में काफी हद तक सफल रहा है। खुलेआम पर्यटन स्थलों पर मौज मस्ती करने वाले अमीर लोग अपना इलाज तो आसानी से करवा लेंगे पर सबसे बड़ी मुसीबत गरीब तथा सर्वहारा वर्ग के लिए होगी जि ऐसे में यदि भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर पर्यटन स्थलों में घूमते हुए बेखौफ लोगों से भारत फिर फैलती है, तो आम जनता का जीवन यापन कठिन तथा दुष्कर हो जाएगा। और जिंदगी बचाने के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम होने की पूरी संभावना है। देश में कोरोना की प्रथम लहर के थोड़े से नियंत्रण में आने के बाद सरकारों और आला अधिकारियों को यह गलतफहमी हो गई थी,कि करोना पूरी तरह नियंत्रित हो गया है। और वापस लौटकर नहीं आएगा। इसीलिए उन्होंने बाजार, आम सभाएं, शादी समारोह, होटल,टॉकीज,बड़े बड़े मॉल को खोलने की तथा ग्राहकों को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी। और नीति निर्माता, राज्य सरकारों,केंद्र सरकार तथा मंत्रालय में बैठे बड़े-बड़े आला अधिकारियों ने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि करोना की दूसरी लहर भी आएगी, और इसी के चलते उन्होंने न तो कोई दूरदर्शी नीति बनाई और ना ही इससे बचने के किसी उपाय पर विचार ही किया ।यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी, तथा अदूरदर्शिता भी थी ।लेकिन करोना कि दूसरी लहर ने संक्रमण की जो तबाही मचाई और लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया,अब कोविड-19 की तीसरी लहर भी इसी तरह के संक्रामकता लाने वाली है।

कविता
हवाओं से ख्वाहिशें...

घटती-घटना

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा
राजस्थान

हवाओं की तरह होती है ख्वाहिशे
ना एक जगह टिकती है
ना एक जगह रूकती है
बहती रहती है निरंतर
उड़ाती रहती है परों पर अपने
नित नई ख्वाहिशों के पर
हवा की तरह इन ख्वाहिशों का भी
कोई आशियाना नही होता
रंग ,रूप और आकार नही होता ।
बस फैली रहती है ये मन के संसार में
इन ख्वाहिशों का कोई मजहब नही होता ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 3

नीली बत्ती लगी कार खतरनाक तरीके से चलाने के मामले में केस दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

नीली बत्ती लगी कार के बोनट पर बैठकर एक महिला द्वारा बर्थडे सेलिब्रट करने व खतरनाक तरीके से चलाने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडिया व फोटे के आधार पर जांच में पुलिस ने पाया है कि कार क्रमांक सीजी 15 ईएफ 3978 के चालक द्वारा वाहन के दरवाजे व सनरूफ को खोलकर और बोनट,डिक्की एवं दरवाजे से लोगों को बाहर निकालकर लापरवाही पूर्वक खतरनाक तरीके से वाहन चलाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वाहन चालक के विरूद्ध धारा- 281 बीएनएस और 184, 177 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दर्ज करके पुलिस ने विवेचना में लिया है।

गैस सिलेंडर लोट ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, किशोरी की मौत,भाई-बहन गंभीर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

शहर के शंकरघाट स्थित टर्निंग के पास सोमवार की दोपहर एलपीजी गैस सिलेंडर लोड ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अनिल पैकरा पिता शिवबरन पैकरा लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरडीह का रहने वाला है। वह सोमवार को अपनी बहन दीपा पैकरा व बहन की सहेली करिश्मा के साथ बाइक से किसी काम से

अंबिकापुर आया था। काम खत्म कर तीनों वापस घर जा रहे थे। तीनों बांस बाड़ी से होते हुए शंकर घाट स्थित राजपुर रोड जाने वाले थे तभी बांस बाड़ी के पास स्थित टर्निंग के पास पीछे से आ रहे एलपीजी गैस सिलेंडर लोट ट्रक क्रमांक सीजी 15 ए 7482 ने बाइक को चपेट में ले लिया। बाइक ट्रक के नीचे घुस गया और ट्रक के पहिए के नीचे आने से बाइक के पीछे बैटी करिश्मा उम्र 18 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दुर्घटना में भाई-बहन भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने दुर्घटनाकारी ट्रक को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नियमित व सीनियर के होते प्लेसमेंट कर्मचारी को दे दिया गया है अग्निशमन का प्रभार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

अग्निशमन इकाई अम्बिकापुर में नियमित एवं सीनियर कर्मचारियों के होते हुए, जिला अग्निशमन अधिकारी द्वारा गुलशन तिवारी फायरमैन (प्लेसमेंट कर्मचारी) को अग्निशमन इकाई अम्बिकापुर का केन्द्र प्रभारी नियुक्त किया गया है। जबकि अग्निशामक इकाई में 8 नियमित व सीनियर कर्मचारी पदस्थ हैं। नियमित व सीनियर कर्मचारियों के होते हुए प्लेसमेंट कर्मचारी को प्रभार दिए जाने से नियमित

कर्मचारियों में नाराजगी है। नियमित कर्मचारियों का कहना है कि जिला अग्निशमन अधिकारी का आदेश शासन के गाइड लाईन के विरूद्ध है। वहीं नियमित कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि जिला अग्निशमन अधिकारी से संपर्क कर अवगत कराने पर डराने, धमकाने वाले शब्दों का प्रयोग कर वापस भेज दिया जा रहा है। इस प्रकार के तानाशाह व्यवहार से नियमित कर्मचारियों के मान सम्मान पर ठेस पहुंचाने का घोर निंदनीय आदेश जारी किया गया है। अग्निशमन इकाई अम्बिकापुर के नियमित व सीनियर कर्मचारियों ने मामले की शिकायत कलेक्टर से की है।

दो दिनों तक 17 वार्डों में पानी सप्लाई बाधित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम स्कूल स्थित पानी टंकी की सफाई का कार्य 17 व 18 जून को होना है। इस लिए

मायापुर पानी टंकी से संबंधित 17 वार्डों में पानी की सप्लाई दो दिनों तक बाधित रहेगी। उक्त जानकारी नगर निगम आयुक्त ने दी है। उन्होंने बताया है कि नगर पालिक निगम स्कूल स्थित 20 लाख लीटर क्षमता के पानी टंकी का सफाई का कार्य दिनांक 17 व 18 जून को होना है। जिसके कारण मायपुर पानी टंकी से संबंधित वार्ड क्रमांक 20, 22, 23, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, व 41 में दिन बुधवार की शाम तक पानी की सप्लाई बाधित रहेगी।

तालाब के पास से ऑटो चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के मोमिनपुरा, पर्राडांड से अज्ञात लोगों ने ऑटो चोरी कर लिया। मो. सरीफउल्लाह खान ने पुलिस को बताया है कि एक जून को शाम करीब 4.30 बजे वह अपनी सोल्ड ऑटो को बरेजपारा तालाब के पास खड़ा करके अपनी सास नासरीन बानो के घर गया था। शाम करीब 5 बजे वापस आया तो ऑटो खड़ा किए गए स्थान पर नहीं था। काफी तलाश के बाद भी ऑटो का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके चोरी गई ऑटो के तलाश में लगी है।

शराब के नशे में धूत दिखा शिक्षक,वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल

- सवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

ग्रिष्मकालीन अवकाश खत्म होने के बाद सोमवार से नए शिक्षा सत्र की शुरू आत हो गई है। वहीं पूरे प्रदेश भर में शाला प्रवेश उत्सव भी मनाया जा रहा है। नए शिक्षा सत्र के लेकर बच्चों में उत्साह है। वहीं दूसरी ओर स्कूल शिक्षा विभाग की लापरवाही सामने आई है। शिक्षा सत्र के पहले दिन ही एक शिक्षक शराब के नशे में धूत दिखा और स्कूल

बदकर शराब क नश मं जमीन पर लेटा रहा। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में धूत शिक्षक उदयपुर विकासखंड के प्राथमिक शाला देव टिकरा में पदस्थ है। बताया जा रहा है कि स्कूल में ताला बंदकर शिक्षक रजक राम शराब के नशे में धूत रहा। स्कूल में ताला बंद रहने के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा सके। शिक्षक की इस हरकत को लेकर अभिभावकों में आक्रोश है।

ट्रक की ठोकर से कार सवार बाल-बाल बचा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

ग्रीन सिग्नल मिलने पर चैराहा पार कर रहे कार सवार को ट्रक का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दिया, जिससे कार का दाहिने साइड का दोनों गेट क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं कार सवार हादसे में बाल-बाल बच गया।

कलेक्टर बंगला रोड निवासी सेवानिवृत प्रधानपाठक ने पुलिस को बताया है कि 14 जून को दोपहर करीब 2.40 बजे वे अपनी कार क्रमांक सीजी 15 डीएफ 3708 से खैरबार सोसायटी में खाद का पर्ची कटाने जा रहे थे। बंगाली चैक में रेड सिग्नल होने के कारण उन्होंने वाहन को रोक दिया और ग्रीन सिग्नल होने पर चैक को क्रॉस किए। उनकी वाहन के बगल से ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएच 9928 का चालक भी चैक को क्रॉस किया। चैक क्रॉस करने के बाद महामाया स्वीट्स के सामने ट्रक के चालक ने वाहन को लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी कार को ठोकर मार दिया। ट्रक मालिक से वाहन बनवाने के लिए उन्होंने कहा तो वह साफ इन्कार कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने ट्रक चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

आम नागरिकों कों साइबर सुरक्षा के सम्बन्ध मे जागरूक करने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा POLICE key word का उपयोग करने की गई अपील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

- **जागरूकता के माध्यम से नागरिकों कों साइबर ठगी एवं अन्य साइबर अपराधों से सतर्क रहने की गई अपील**
- **वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे सरगुजा पुलिस द्वारा साइबर सेल के माध्यम से नागरिको कों लगातार किया जा रहा जागरूक**
- **police key word मे नागरिकों कों पासवर्ड, ओटीपी,लिंक, आइडेंटिफिकेशन, केयरफुल इमरजेंसी का सही उपयोग करने दी गई जानकारी**

आमनागरिकों मे साइबर अपराध के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने एवं साइबर अपराधों से बचाव के क्रम मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा POLICE key word का उपयोग करने की अपील जारी की गई हैं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने अपील जारी करते हुए कहा कि समय समय पर नागरिकों कों जागरूक करने विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया जाता है,साइबर अपराध की घटनाओ मे कमी लाने लोगो कों अलर्ट रहने की अवश्यकता है, ठगों द्वारा लोगो को कई प्रकार के झांसे देकर साइबर ठगी की घटना कारित की जा रही हैं, नागरिकों की थोड़ी से सावधानी ऐसे साइबर अपराधों से बचाव मे सहायक सिद्ध हो सकती है, साइबर ठगी के नये तरीकों और उनसे बचाव पर आमनागरिकों कों सतर्क रहने एवं साइबर ठगी से बचने के विभिन्न सुरक्षात्मक उपाय पर अपील के माध्यम से आवश्यक जानकारी साझा किया गया हैं।

P फॉर पासवर्ड :-आज की डिजिटल दुनिया में, पासवर्ड हमारी ऑनलाइन सुरक्षा की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। यह आपके ईमेल, सोशल मीडिया, बैंकिंग ऐप्स और अन्य ऑनलाइन खातों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका है। साइबर जागरूकता का मतलब है कि आप पासवर्ड के महत्व को समझें और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सही कदम उठाएं।

O फॉर ओटीपी :- OTP आपके लिए एक शक्तिशाली सुरक्षा उपकरण है,लेकिन आपको इसे सुरक्षित रखने के लिए जागरूक रहना होगा।

OTP कभी साझा न करें: यह सबसे महत्वपूर्ण नियम है।अपना OTP किसी के साथ साझा न करें, भले ही वह आपसे बैंक का कर्मचारी, पुलिस अधिकारी, या कोई रिश्तेदार होने का दावा करे। कोई भी वैध संस्था आपसे फोन या ईमेल पर आपका OTP कभी नहीं मांगेगी।

L फॉर लिंक :- अनजान लिंक पर क्लिक न करें: यदि आपको किसी ऐसे ईमेल या SMS में OTP प्राप्त होता है जिसमें एक लिंक भी हो, तो उस लिंक पर क्लिक न करें। धोखेबाज अक्सर आपको नकली वेबसाइटों पर ले जाने के लिए ऐसा करते हैं, जहां वे आपके क्रेडेंशियल चुरा सकते हैं।

I फॉर आइडेंटिफिकेशन :- अनाधिकृत पहुंच रोकना (Preventing Unauthorized Access): सही आइडेंटिफिकेशन और प्रमाणीकरण यह सुनिश्चित करता है कि केवल वैध उपयोगकर्ता ही संवेदनशील डेटा और सिस्टम तक पहुंच सकें। यह अनाधिकृत पहुंच को रोकने में मदद करता है, जो साइबर हमलों का एक बड़ा कारण है।

C फॉर केयरफुल:- साइबर जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव है,इस सम्बन्ध मे नागरिक अपनी किसी भी प्रकार की जानकारी अन्य व्यक्तियों से साझा ना करें, किसी भी प्रकार की बैंक गतिविधि स्वयं बैंक जाकर करें, सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी साझा ना करें, अपनी वास्तविक स्थिति के बारे मे ज्यादा जानकारी ना प्रदान करें, किसी भी प्रकार के लालच मे आकर साइबर अपराध मे शामिल ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखे,अपना खाता पासबुक, एटीम, परिचय पत्र अन्य किसी कों प्रदान ना करे।

E फॉर इमरजेंसी:- आमनागरिक ऑनलाइन ठगी और बैंकिंग संबंधी फ्रॉड होने पर तुरंत बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत करें, साथ ही नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा साइबर सेल से संपर्क करें,जल्दी सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा पीड़ित कों तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है, कई साइबर ठगी की घटनाओ मे त्वरित रिपोर्ट पर प्रभावीं कार्यवाही की जाकर राहत प्रदान की गई है।

हाथी के हमले से महिला की मौत,एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

- संवाददाता -
बलरामपुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामानुजंगज वन परिक्षेत्र के ग्राम चाकी में रविवार को रात में हाथी के हमले से एक महिला की मौत हो गई। इस हमले में एक अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया, जहां उसके दोनों पैर टूट गए। घटना से प्रभावित क्षेत्र के लोग बुरी तरह डरे हुए हैं। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात करीब दो बजे जंगल किनारे रहने वाले मुन्ना राम और उसकी पत्नी राधिका शौच के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान एक हाथी घर के नजदीक पहुंच गया। हाथी ने राधिका को सूंड में लपेटकर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

महिला के पति ने जैसे-तैसे बचाई जान

मुन्ना राम किसी तरह अपनी बेटी के साथ जान बचाकर भागने में सफल रहा। इस घटना के बाद हाथी आगे बढ़ते हुए ग्रामीण टीभाली सिंह (52) के घर के पास पहुंचा। हाथी ने उसके कच्चे घर की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हाथी द्वारा तोड़फोड़ करने से टीभाली सिंह भयभीत हो उठा। वह भागने के प्रयास में हाथी के हमले से घायल हो गया। उसके दोनों पैर टूट गए। वन विभाग ने मृतका के शव को 100 बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज लाकर पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया।

घायल ग्रामीण का प्राथमिक इलाज कर बलरामपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला पंचायत के सभापति बद्री यादव और संतोष यादव मौके पर पहुंचे। संतोष यादव ने वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में हाथियों के हमले लगातार हो रहे हैं, लेकिन वन विभाग मौत के इस सिलसिले को रोकने के लिए कोई ठोस योजना नहीं बना रहा।

महिला के परिवार को 25000 की आर्थिक सहायता

उन्होंने बताया कि आठ अप्रैल को भी इसी प्रकार की घटना में एक ग्रामीण की जान चली गई थी। उन्होंने हाथियों से जानमाल के नुकसान को रोकने समुचित पहल करने आग्रह किया। वन विभाग ने मृतका के परिवार को तत्काल 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। रेंजर निखिल सक्सेना ने बताया कि यह नर हाथी वाड़फनगर से गढ़गोरडी, फिर बगरा होते हुए चाकी पहुंचा था। घटना के बाद यह छतवा शिवपुर की ओर बढ़ गया है। विभाग लगातार मुनादी करवा रहा है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

C M Y K

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 4

भीषण जंग के बीच ईरान ने मानी भारत की बात

» 10 हजार भारतीयों को बाहर निकालने की अनुमति, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी

नई दिल्ली/तेहरान,16 जून 2025। मिडिल ईस्ट में ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है। पिछले सप्ताह से दोनों देशों के बीच लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं, जिससे ईरान में स्थिति गंभीर हो गई है। खबरों के मुताबिक, इजरायली हमलों में ईरान में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

इस तनाव के बीच ईरान में फंसे लगभग 10,000 भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार चिंतित थी। ईरान द्वारा हवाई क्षेत्र बंद करने से भारतीयों की वापसी और मुश्किल हो गई थी। हालांकि, भारत की कूटनीतिक अपील के बाद ईरान ने बड़ा फैसला लिया है।

सोमवार को ईरान ने भारत सरकार के अनुरोध का जवाब देते हुए घोषणा की कि वह ईरान में फंसे कम से कम 10,000 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए मार्ग उपलब्ध कराएगा। ईरान ने कहा कि चूंकि उसका हवाई क्षेत्र बंद है, भारतीय नागरिक अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान के जमीनी रास्तों से अपने देश लौट सकते हैं।

इधर, ईरान में भारतीय दूतावास ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा था कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और भारतीय नागरिकों, खासकर छात्रों, की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ संपर्क में है। दूतावास ने बताया, कुछ मामलों में छात्रों को ईरान के भीतर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है, और अन्य संभावित निकासी विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर (+98 9128109115, +98 9128109109) और ईमेल (consv.tehran@mea.gov.in) भी जारी किए हैं, ताकि भारतीय नागरिक उनसे संपर्क कर सकें।

बता दें,तनाव के बीच रविवार रात तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के पास एक हमला हुआ, जिसमें जम्मू-कश्मीर के दो भारतीय छात्र घायल हो गए। दोनों छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है, और दूतावास उनकी स्थिति पर नजर रख रहा है। इस घटना ने ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

शिक्षा सत्र के पहले दिन ही शिक्षक लामबंद

युक्तियुक्तकरण की विसंगतियों के खिलाफ हजारों शिक्षक काली पट्टी लगाकर पहुंचे स्कूल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में नया शिक्षा सत्र 2025-26 सोमवार 16 जून से प्रारंभ हो गया, लेकिन पहले ही दिन सरकार की युक्तियुक्तकरण नीति के खिलाफ प्रदेशभर में शिक्षकों का विरोध मुखर होता दिखाई दिया। सरगुजा जिले में शिक्षक साझा मंच के आह्वान पर हजारों शिक्षक काली पट्टी लगाकर स्कूल पहुंचे और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया। शिक्षकों के अनुसार, युक्तियुक्तकरण की वर्तमान प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हैं और यह शिक्षकों के हितों के साथ-साथ शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए भी घातक सिद्ध हो रही है। शिक्षक साझा मंच के प्रांतीय पदाधिकारी हरेन्द्र सिंह, सुनील सिंह और जिला संचालक सर्वजीत पाठक, कमलेश सिंह, संदीप पांडेय की अपील पर यह विरोध पूरे सरगुजा जिले के सातों विकासखंडों में व्यापक रूप से देखने को मिला।

साझा मंच अब जन समर्थन जुटाने की तैयारी

शिक्षक साझा मंच अब सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से संवाद कर इस आंदोलन को जन समर्थन दिलाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। संगठन का कहना है कि लंबे समय से शिक्षकों की समस्याएं अनसुनी की जा रही हैं और अब यह केवल शिक्षक समुदाय की नहीं,पूरे शिक्षा तंत्र की लड़ाई बन चुकी है।

प्रक्रिया रद्द कर नए सिरे से युक्तियुक्तकरण की मांग

जिला संचालक कमलेश सिंह ने कहा, ÷विद्यालय के पहले दिन काली पट्टी लगाकर जाना हमारे लिए अत्यंत पीड़ादायक है,लेकिन

शैक्षणिक कार्य के साथ विरोध

शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि वे अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए सरकार की विसंगतिपूर्ण नीतियों का विरोध करेंगे। काली पट्टी लगाकर शाला प्रवेश उत्सव सहित सभी शैक्षणिक आयोजनों में वे भाग लेंगे और SMC सदस्यों, जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को युक्तियुक्तकरण के नुकसान और अनियमितताओं से अवगत कराएंगे।

जब हमारी बात कोई नहीं सुन रहा, तो विरोध के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता।÷ उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस विसंगतिपूर्ण प्रक्रिया को रद्द कर 2008 के सेटअप के आधार पर पुनः युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

सरगुजा जिले के शिक्षकों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर संज्ञान नहीं लिया जाता,यह शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा।

फैक्ट्री के कर्मचारी की सजगता से चोर पकड़ाया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

पाइप फैक्ट्री से लगातार सामानों की चोरी करने वाले आरोपी को पकड़कर फैक्ट्री मालिक ने पुलिस के हवाले कर दिया है।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम खलीबा निवासी अभिजीत सिंह ने पुलिस को बताया है कि बनारस रोड स्थित ग्राम चठिरमा में उनके द्वारा मेसर्स प्रभा ब्रिक्स,पोल निर्माण फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा है। एक जून को फैक्ट्री से 1.50 क्विंटल एचबी वायर अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया था। इसके बाद 10 जून को फैक्ट्री के रूम का ताला तोड़कर एक गैस सिलिंडर, गंज, थाली सहित अन्य बर्तन एवं गैस चूल्हा चोरी की घटना हुई थी, जिससे फैक्ट्री के मालिक को करीब 60 हजार रुपये की क्षति पहुंची थी। फैक्ट्री मालिक ने अपने कर्मचारी को निगरानी करने के लिए कहा था,जिस पर स्टॉफ पिछले तीन दिन से निगरानी में लगा था। इसी क्रम में 13 जून को एक व्यक्ति को फैक्ट्री से छड़ चोरी करके ले जाते जगदेव पिता रामप्रसाद गोड़ निवासी तुर्रापानी को स्टॉफ दौड़ाकर पकड़ा और इसकी सूचना फैक्ट्री मालिक को दी। घटना की सूचना गांधीनगर थाना में दी गई, जिस पर डॉयल 112 वाहन के साथ पुलिस पहुंची और चोर को अपने कब्जे में ले लिया। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करके अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की है। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने फैक्ट्री से चोरी किए गए कुछ सामानों को बरामद कर लिया है।

किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने जिला स्तरीय निरीक्षण अभियान

» अम्बिकापुर विकासखंड में बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों की जांच, अनियमित संस्थानों को नोटिस जारी...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

खरीफ 2025 सीजन में किसानों को समय पर उचित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त कृषि आदान (बीज, खाद आदि) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज विकासखंड अंबिकापुर में जिला स्तरीय कृषि विभाग की टीम द्वारा बीज विक्रय करने वाले विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख रूप से पान कंपनी के धान बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों की गहनता से जांच की गई। विक्रेताओं द्वारा वैध अनुज्ञप्ति और श्रोत प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए, जिससे उनकी गतिविधियां नियम अनुसार पाई गईं। हालांकि निरीक्षण में दो संस्थानों में अनियमितताएं सामने आईं। संबंधित विक्रेताओं द्वारा किसानों को निर्धारित प्रारूप में बिक्री रसीद (बिल) उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत पाई गई, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए नोटिस

जारी किया गया।

कृषि विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रतिष्ठानों में उपलब्ध बीज की मात्रा और बिक्री दरों की जानकारी दुकान के बाहर सूचना पटल पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए, जिससे कृषकों को सही जानकारी प्राप्त हो सके और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस निरीक्षण अभियान में सहायक संचालक कृषि श्री अभिषेक झा, बीज निरीक्षक श्री जे. आलम, कृषि विकास अधिकारी श्री कृपा शंकर यादव, एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विक्रेताओं को खरीफ सीजन के दौरान सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करने की चेतावनी दी तथा किसानों की सेवा में पारदर्शिता बरतने का निर्देश दिया।

स्कूटी और बाइक की आमने सामने से भीषण टक्कर,चार घायल

» सड़क हादसे में चार घायल,दो गंभीर अंबिकापुर रेफर
» स्कूटी और बाइक की आमने सामने से भीषण टक्कर, चार घायल
» गंभीर रूप से घायल युवक युवती,अंबिकापुर रेफर

- संवाददाता -
जशपुरनगर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलाश गुफा मार्ग पर स्कूटी और बाईक की आमने- सामने भिड़ंत हो गई, टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में बाइक और स्कूटी में सवार 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगो ने 108 को फोन

कर घायलों को इलाज के लिए बगीचा सामुदायिक अस्पताल भिजवाया।

घटना के संबंध में जानकारी के अनुसार, रविवार देर शाम बगीचा थाना क्षेत्र से लगभग 5 किमी दूर अहिंमाडा कैलाश गुफा मार्ग पर रोकड़ा गांव के समीप दो दो पहिया वाहनों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवक और दो युवती गम्भीर रुप से घायल हो गए, घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद अम्बिकापुर रिफर कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक युवती बगीचा के रतबा और डुमरटोली रापत कोना के बताए जा रहे है।

घटना के संबंध में जानकारी के अनुसार, रविवार देर शाम बगीचा थाना क्षेत्र से लगभग 5 किमी दूर अहिंमाडा कैलाश गुफा मार्ग पर रोकड़ा गांव के समीप दो दो पहिया वाहनों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवक और दो युवती गम्भीर रुप से घायल हो गए,घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद अम्बिकापुर रेफर कर दिया गया।

कलेक्टर जनदर्शन में आम जनता की सुनीं गई समस्याएं

अधिकारियों को तय समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं और मांगों के त्वरित समाधान के हेतु साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने मांग और शिकायत को लेकर आवेदन किया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जनता की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जनदर्शन में अनुकंपा नियुक्ति, भूमि सीमांकन, जमीन बटवारा, हैण्ड पम्प खनन, पेंशन भुगतान, वन अधिकार पत्र की स्वीकृति, नहर में भूमि अधिग्रहण की मुआवजा दिलाने बावत जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्याएं तथा राजस्व विभाग से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। सभी विषयों को कलेक्टर ने ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से तलब कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भोसकर ने जनदर्शन में संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि, लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रत्येक नागरिक के आवेदन की त्वरित और पारदर्शिता के साथ निपटान किया जाए। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में दूरदराज से आने वाले ग्रामीणों की सुविधा के लिए चना, गुड़ और पानी की व्यवस्था

सुनिश्चित की गई है, जिससे आवेदक ग्रामीणों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री अमृत लाल ध्रुव, श्री रामसिंह ठाकुर, सभी एसडीएम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन 17 जून को धरमलाल कौशिक और भावना वोहरा भी होंगे शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा सरगुजा द्वारा संकल्प से सिद्धि अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 जून मंगलवार को समय अपराह्न 2ः00 बजे से होटल पर्पल आर्चीट, अंबिकापुर में प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

यह सम्मेलन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। साथ ही विधायक श्रीमती भावना बोहरा सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज का सम्मेलन को मार्गदर्शन

प्राप्त होगा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरगुजा के जिला प्रचारक जीतेंद्र शर्मा सम्मेलन के मुख्य वक्ता के रूप में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

इस महत्वपूर्ण आयोजन की जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने बताया कि यह सम्मेलन जिले के राजनैतिक, सामाजिक, व्यवसायिक,साहित्यिक, शैक्षणिक,स्वयंसेवी,चिकित्सा, अभियंता,पत्रकार,जनप्रतिनिधि, विभिन्न संगठन तथा भाजपा के मोर्चा, प्रकोष्ठ, मंडल एवं मतदान केंद्र स्तर के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की सार्थक भागीदारी से संपन्न होगा। उन्होंने जिलेभर के समस्त सम्मानित प्रबुद्ध नागरिकों से सम्मेलन में सक्रिय सहभागिता कर इसे सफल बनाने का आह्वान किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सप्ताह के दूसरे दिन कलेक्टर ने किया योग अभ्यास

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जिले में मनाए जा रहे योग सप्ताह के तहत आज द्वितीय दिवस पर विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूरजपुर के कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने प्रातः योगाभ्यास में भाग लिया।

रंगमंच परिसर में आयोजित इस योग सत्र में विभिन्न आसनों, प्राणायाम एवं ध्यान की क्रियाएं संपन्न की गईं।

प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास किया और योग के महत्व को समझा।

गौरतलब है कि 21 जून 2025 को ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इसके पूर्व जिले में 15 से 21 जून तक योग सप्ताह के रूप में विभिन्न जागरूकता एवं योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

घर में घुसकर मारपीट,दो आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

सिगरेट का धुआं दुकान में सामान लेने के लिए गई महिलाओं के तरफ फूंकने पर की गई आपत्ति से आक्रोशित होकर दो युवकों ने घर के अंदर घुसकर परिवार के सभी सदस्यों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया और रिपोर्ट करने पर जान से मार देने की धमकी दी। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज करके विवेचना में लिया है। खैरबार, खुदीपारा निवासी खुशबू लकड़ा ने पुलिस को बताया है कि रविवार, 15 जून को शाम करीब 5 बजे वह अपनी बहू ममता के साथ मोहल्ले के किराना दुकान में सामान लेने गई थी। यहां गांव का गोपाल सिगरेट पी रहा था और सिगरेट का धुआं उनकी तरफ फूंक रहा था। जब वह सिगरेट

का धुआं दूसरी ओर फूंकने के लिए बोली तो गोपाल तुम ज्यादा बोलती हो कहते हुए विवाद की स्थिति निर्मित करने लगा, इसके बाद दोनों वापस अपने घर आ गए। इसकी जानकारी खुशबू अपने भाई नीलू को दी, तो वह अपने दोस्त घासी के साथ गाड़ाघाट मैदान में इन्हें समझाने गया था। रोबिन और गोपाल नीलू की बात को सुनने के बाद गाली-गलौज करते हुए जान से मरने की धमकी देकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। दोनों युवकों के द्वारा मारपीट करने की जानकारी वह अपने घर में आकर दिया। इसके बाद रात करीब 8 बजे रोबिन व गोपाल इनके घर के अंदर घुस गए और पुलिस केस करने पर जान से मारकर फेंक देने की धमकी देने लगे। खुशबू ने जब पुलिस केस करने के लिए कहा तो दोनों मिलकर पूरे परिवार के साथ मारपीट करने लगे। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 5

डबल इंजन सरकार ने नक्सलवाद पर लगाया ब्रेक...विकास को दी रफ्तारःकमलेश जांगड़े

मोदी की गारंटी से छत्तीसगढ़ में हो रहा तेजी से विकासःकमलेश जांगड़े

11 वर्षों के ऐतिहासिक कार्यकाल ने देश को समृद्धि और खुशहाली की ओर किया अग्रसर

-रवि सिंह-

एमसीबी/चिरमिरी,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

जांजगीर चापा लोक सभा के सांसद कमलेश जांगड़े ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्ष का कार्यकाल अनेक मायनों में ऐतिहासिक रहा है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है। मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार का हर दिन अंत्योदय की साधना को समर्पित रहा है। सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ समाज के सभी वर्ग विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उनके कार्यकाल में देश और दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। छत्तीसगढ़ ने डबल इंजन की सरकार में चौतरफा विकास के नये आयाम गढ़े हैं। चाहे विकास की बात हो या माओवादी आतंक से निपटने की, केन्द्र सरकार के राज्य सरकार को भरपूर समर्थन और सहयोग मिला है। प्रेस वार्ता में संकल्प से सिद्धि अभियान के जिला संयोजक जमुना प्रशाद पाण्डेय,भाजपा मीडिया प्रभारी संजय गुप्ता,मंडल अध्यक्ष पुरषोत्तम सोनकर, जिला पंचायत सदस्य भगत बाबू,जिला महामंत्री रामलखन सिंह, समाज कल्याण विभाग के गायत्री पटेल के सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी गण मौजूद थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की दुनिया में बढ़ी है साख

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन हो या कोराना काल में वैक्सीन,मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र को सफल बनाया है। मोदी सरकार के निर्णयों से भारत की दुनिया में साख और धाक दोनों बढ़ी है। आज का भारत पहले किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन बेवजह छेड़ने वालों को छोड़ता भी नहीं है। यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मजबूत नेतृत्व की वजह से संभव हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प को देख चुकी है। आज देश के सर्वोच्च पद पर जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति के रूप में विराजमान हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व से संभव हुआ है।

स्वच्छ भारत अभियान बना एक सामाजिक आंदोलन

श्रीमती जांगड़े ने कही कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान देश में एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। छत्तीसगढ़ में 05 जिले, 58 विकासखण्ड और 17 हजार से अधिक गांव ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किए जा चुके हैं। न्यूनतम सरकार एवं अधिकतम शासन के उद्देश्य को साकार करते हुए सिर्फ डेढ़ साल में 350 नीतिगत सुधार कर चुकी है। देश स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का दुनिया में सिरमौर बनकर उभरा है। अंतराष्ट्रीय सौर ऊर्जा गठबंधन और अंतराष्ट्रीय जैव ईंधन गठबंधन की स्थापना अक्षय ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम है। छत्तीसगढ़ में सोलर एनर्जी को बढ़ावा के साथ ही 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को साकार करने के लिए ग्रीन स्टील के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। पर्यावरण अनुकूल विकास को लेकर पीएम मोदी जी के आव्हान पर हमने प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 2.50 करोड़ पौधे लगाए हैं। विकसित भारत की भव्य ईमारत स्टील से ही तैयार होगी। हमारी वर्तमान स्टील उत्पादन क्षमता 28 मिलियन टन है, जिसे 2030 तक 45 मिलियन टन करने की ओर बढ़ रहे हैं।

नदियों को जोड़ने की परिकल्पना होगी साकार

चम्पा देवी पावले ने कही कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने नदियों को जोड़ने की परिकल्पना की थी। इस वर्ष हम उनके जन्म शताब्दी वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। कुछ दिन पहले ही माननीय प्रधानमंत्री जी से बोधघाट परियोजना और इंद्रावती-महानदी रिवर इंटरलिंक योजना पर अहम चर्चा हुई है। इस परियोजना से बस्तर में 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभव होगी।

बस्तर में तरक्की का नया सूर्योदय

चम्पा देवी पावले ने कही कि नक्सलवाद पर मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति से बस्तर में तरक्की का नया सूर्योदय देखने को मिल रहा है। जहां कभी बंदूक की गोलियां गूंजती थी, वहां बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन विकास के प्रति लोगों की उम्मीद को जाहिर करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश पिछले 11 वर्षों में विरासत के साथ विकास की यात्रा पर आगे बढ़ा है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के साथ महाकुंभ-2025 का अभूतपूर्व आयोजन भारतीय सनातन संस्कृति का जयघोष है। मोदी जी की सरकार ने केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ा कर 42 प्रतिशत किया, जिससे छत्तीसगढ़ में राजस्व में अब तक कुल 62 हजार 509 करोड़ राशि की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके लिए हमने विजन डॉक्यूमेंट भी बनाया है। हम सब मोदी के नेतृत्व में एक ऐसा भारत बनाने जा रहे हैं, जहां प्रत्येक भारतवासी की विकास की आकांक्षा पूरी होगी।

एक्सप्रेस-वे के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों के विकास में आएगी तेजी

एमसीबी भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले ने कही कि रांची और विशाखापट्नम से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली एक्सप्रेस-वे हमारे बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए वरदान होंगे। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से करोड़ों लोग स्वास्थ्य की चिंता से मुक्त हो गये हैं। छत्तीसगढ़ में भी 81 लाख परिवारों के 2 करोड़ 38 लाख से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इनमें से 38.47 लाख लोगों को 8 हजार 241 करोड़ रूपए का उपचार लाभ मिला है। राज्य में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3.69 लाख बुजुर्गों को वय वंदन आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है।

रेल सुविधाओं के विस्तार पर हो रहा निरंतर कार्य

सांसद श्रीमती जांगड़े ने कही कि प्रदेश में 48 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर-रावघाट को कनेक्टिविटी मिल गई है। खरसिया-परमालकसा रेल नेटवर्क की स्वीकृति मिल गई है। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। प्रदेश के 32 रेल्वे स्टेशनों को एक हजार 680 करोड़ की लागत से अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। हाल ही में 5 अमृत रेल्वे स्टेशन का लोकार्पण किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास पर पिछले 11 साल में 21 हजार 380 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं। वर्तमान में 18,215 करोड़ रूपए के लागत की 37 परियोजनाएं प्रगतिशील है। मोदी जी के कार्यकाल में प्रदेश में रेल से जुड़ी परियोजनाओं के बजट में 11 वर्षों में 23 गुणा बढ़ोत्तरी हुई हैं। 2014 में करीब 300 करोड़ रूपए था, वह 2025-26 में 6 हजार 925 करोड़ रूपए हो गया है। रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे तथा बिलासपुर-उरगा-पत्थलगाँव फोरलेन का निर्माण किया जा रहा है। भारत सरकार ने 2014 से 2025 तक लेफ्ट विंग एक्सट्रिमिस्म (एल. डब्लू. ई) के अंतर्गत चयनित महत्वपूर्ण सड़कों के विकास के लिए 2625 करोड़ रुपये खर्च किये है।

डबल इंजन की सरकार ने छत्तीसगढ़ में विकास के गढ़े नये आयाम

कमलेश जांगड़े ने कही की छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही किसान भाइयों से की गई मोदी जी की गारंटी भी साकार हुई। हमने बकाया बोनस देने के साथ 3100 रुपए प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की गई है। पिछले साल छत्तीसगढ़ में रिकार्ड 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। इन 11 सालों में देश में जो बड़ा बदलाव आया है, उससे छत्तीसगढ़ सहित देश के प्रत्येक नागरिक का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। पीएम आवास के जरिए गरीब परिवारों के घर का सपना पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ में हमने सरकार गठन के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी देकर मोदी जी के वायदे को पूरा किया है। प्रदेश में 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से 15 लाख 38 हजार आवास बन चुके हैं।

किसानों और माताओं-बहनों का हो रहा आर्थिक सशक्तिकरण

श्रीमती जांगड़े ने कही कि 5 लाख 62 हजार भूमिहीन किसानों को भी हर साल 10-10 हजार रुपए की राशि हमारी राज्य सरकार दे रही है। किसान भाइयों के खाते में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की राशि प्रेषित कर चुके हैं। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों में मोदी जी ने महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक-एक हजार रुपए माताओं-बहनों को देने की गारंटी दी थी। हमने यह वादा तीसरे महीने ही पूरा कर दिया और करीब 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने यह राशि दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने मोदीजी की अधिकांश बड़ी गारंटियों को पूरा कर कीर्तिमान स्थापित किया है, निसंदेह इसका श्रेय भी मोदीजी को है,जिनकी गारंटी पर जनता ने भरोसा कर हमें सेवा का अवसर दिया।

माओवादी आतंकवाद पर सख्त प्रहार

श्रीमती जांगड़े ने कहा आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती माओवादी आतंक के खात्मे का मोदी जी और अमित शाह जी का संकल्प भी सिद्ध हो रहा है। छत्तीसगढ़ में बीते डेढ़ साल में 425 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। 1388 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और 1443 को गिरफ्तार किया गया है। नक्सल विरोधी अभियान में हमारे जवानों ने बसवराजू और सुधाकर जैसे बड़े नक्सलियों को न्यूट्रलाइज कर माओवाद की रीढ़ तोड़ दी है।

जनजातीय समाज के विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित

कमलेश जांगड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत मां के वीर सपूत धरती आबा भगवान बिरसामुण्डा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर जनजातीय अस्मिता को गौरवान्वित किया है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए मोदी सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारंभ की गई। इस योजना से छत्तीसगढ़ के 18 जिलों के 2121 गांवों में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 हजार 160 बसाहटों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है। पीएम जनमन योजना में 2449 किलोमीटर सड़क स्वीकृत की गई हैं। जनजातीय समाज उत्थान पर केन्द्रित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का सबसे अधिक लाभ छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बाहुल्य राज्यों को मिल रहा है। राज्य के 32 जिलों में 6 हजार 691 जनजातीय ग्रामों को लाभान्वित किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और पारदर्शी शासन-प्रशासन के लिए गए बड़े निर्णय

श्रीमती जांगड़े ने कहा कि हमने भ्रष्टाचार के रास्ते बंद करने का काम किया है। कोयले के परिवहन की परमिट व्यवस्था को ऑनलाईन कर दिया है। इससे कोयला परिवहन में होने वाली धांधली रूकेगी तथा राजस्व का नुकसान कम होगा। आबकारी विभाग से जुड़ी लाइसेंस प्रक्रियाओं को ऑनलाईन किया है। प्रदेश में जेम पोर्टल के जरिए ही सरकारी विभागों में खरीददारी का नियम अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के पूर्व युवाओं से पीएससी घोटाले के आरोपियों पर कार्रवाई का वायदा किया था। हम इस घोटाले की सीबीआई जांच कराकर इस परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं।

नई औद्योगिक नीति से निवेश और विकास

श्रीमती जांगड़े ने कहा कि हमने नई औद्योगिक नीति लागू की है। इनवेस्ट कनेक्ट के जरिए छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े पांच लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। हमने सुशासन के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए सुशासन एवं अभिसरण विभाग गठित किया है। यह विभाग दूसरे विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने का काम कर रहा है। आज छत्तीसगढ़ में किसी उद्योगपति या व्यवसायी को कोई कारोबार शुरू करना हो तो उसे अलग-अलग सरकारी विभागों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। नई औद्योगिक नीति में हम कोर सेक्टर के साथ ही आईटी, सर्विस और टूरिज्म पर खास ध्यान दे रहे हैं। प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रूपए की लागत से बन रहा है। हम देश का पहला एआई डाटा सेंटर पार्क स्थापित कर रहे हैं। अंबिकापुर, बिलासपुर और जगदलपुर एयरपोर्ट में एयर कनेक्टिविटी की सुविधा बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने चौतरफा प्रगति की नयी कहानी लिखी है। ऐसी-ऐसी उपलब्धि हासिल की गयी है जिसकी इससे पहले कल्पना भी नहीं थी। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किया जाना आदि दर्जनों उपलब्धियों का वर्णन इतिहास करेगा।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर मामले की श्रेणीः राजस्व

जिला- सरगुजा तहसील-लखनपुर प.ह.न.- 00014 केवरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CG-2025-26-182-1-589

ईश्तहार

तहसील लखनपुर के प.ह.न. 00014 के अंतर्गत ग्राम केवरा के वर्तमान भूमिस्वामी अविनाश अग्रवाल पिता/पति स्व. कैलाश चंद अग्रवाल पता-मेन रोड लखनपुर थाना व तहसील लखनपुर जिला सरगुजा छ0ग0 विशाल अग्रवाल पिता/पति स्व0 कैलाश चंद अग्रवाल पता-मेन रोड लखनपुर थाना व तहसील लखनपुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 64/2(0.1980), 64/14 (0.5640), 90(0.3840), 98/2 (0.7770), 84/2(0.1050) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता SHIVASHIV AGRO (ABHISHEK MITTAL) पिता/पति NA पता- RAM MANDIR ROAD AMBIKAPUR THANA WA TASHIL AMBIKAPUR JILA SURGUJA C.G के नाम पर पंजीयन/फौति होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17/06/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार लखनपुर पर की जावेगी।
उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा/ आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/आममुख्तार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — **तसीलदार अंकित पटेल लखनपुर**

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पायल नगेशिया स्व0 शंकर निवासी महामायापारा,थाना-अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर ने कराया है कि आवेदक के पिता स्व0 शंकर आ0 प्रधान राम की दिनांक 07/07/2007 को स्थान निवास में हुई है।
आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवश तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — **तहसीलदार अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगाँव

रा.प्र.क्र.- ब-121 /2024-25

ईश्तहार

आम जनता ग्राम लक्ष्मीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामविलास आ0 आलम जाति- गोंड़ निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर, तहसील भटगाँव जिला-सूरजपुर द्वारा अपने बुआ सोममतिया का मृत्यु दिनांक-12/07/2009 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने बुआ का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।
जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 20/06/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव**

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगाँव

रा.प्र.क्र.- ब-121 /2024-25

ईश्तहार

आम जनता ग्राम लक्ष्मीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामविलास आ0 आलम जाति- गोंड़ निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर, तहसील भटगाँव जिला-सूरजपुर द्वारा अपने चाची विवेशया का मृत्यु दिनांक-10/07/2009 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने चाची का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।
जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 20/06/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव**

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा.प्र.क्र. ब/2021-22-25

ईश्तहार

ग्राम चन्दरपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवनारायण सिंह आ0 स्व0 धर्मजीत जाति गोंड़ निवासी ग्राम-चंदरपुर, लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामनुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदक अपने पिता स्व0 धर्मजीत का विलम्ब मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत अनुलब्धता प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दास्तावेज के साथ न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। मृत्यु दिनांक 8/10/2002
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 20/06/2025 को न्यायीलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 06/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — **नायब तहसीलदार लिंक कोर्ट देवनगर जिला-सूरजपुर छ0ग0**

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 20250602070010

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2024-25

लक्ष्मीपुर प.ह.नं.00023(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-दीपक कुमार,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक दीपक कुमार आ0 शिवनाथ राम, निवासी भाथुपारा अंबिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 405/2, 460/1, 473/1 रकबा 0.032, 0.580, 0.090 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/06/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रुतत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/06/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील — **तहसीलदार अंबिकापुर**

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र. /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रागिनी अग्रवाल पत्नी सुमित अग्रवाल निवासी पंजाब गार्डन के पिछे भगवानपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा सीट क्रमांक 03 मोहल्ला बाबूपारा नगर अंबिकापुर स्थित नजूल प्लाट नंबर 3467/4866/162 रकबा 30X80 =2400 वर्गफीट भूमि के भू-तल पर रकबा 131.97 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 114.23 वर्गमीटर, पर प्रस्तावित नक्शानुसार आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनाथ इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/06/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 13/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल अधिकारी अंबिकापुर**

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 6

ऑक्सीजन प्लांट बंद...बायोलॉजी लैब बंद...फिर स्वास्थ्य विभाग कोरोना के तीसरी लहर के लिए कैसे हैं तैयार?

कोविड को लेकर कोरिया स्वास्थ्य विभाग नहीं है तैयार फिर भी कर रहा है मॉक डील

बायोलॉजी लैब हो गया बंद,कर्मचारी हटा दिया अब कैसे कोविड संक्रमितों का होगा प्रशिक्षण

क्या सरकारी पैसा है जैसा चाहो वैसा करो... एक को बर्बाद करो और दूसरे को सवारों?

कोरोना काल में करोड़ों की लागत से तैयार हुआ दोनों ऑक्सीजन प्लांट लंबे समय से बंद,इधर कोविड के पुनःवापसी की बन रही संभावना

स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र का ये हाल तो प्रदेश के अन्य जिलों का लगाया जा सकता है अंदाजा

क्या स्वास्थ्य विभाग के पूर्व विभाग प्रमुखों ने ऑक्सीजन प्लांट की आड़ में जमकर किया था भ्रष्टाचार?

क्या दो-दो ऑक्सीजन प्लांट होने के बावजूद सूरजपुर से हो रही ऑक्सीजन सिलेंडर की होगी भरपाई?

-रवि सिंह-

कोरिया,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

एक बार फिर कोविड की तीसरी लहर का दस्तक देश में हो रहा है पर क्या इसे लेकर छत्तीसगढ़ के सभी जिले तैयार हैं? यह सवाल बहुत बड़ा है पर यदि इस सवाल का जवाब आज की स्थिति में जानना चाहते हैं तो जाकर जिला चिकित्सालय व कॉविड अस्पताल के पास लगे ऑक्सीजन प्लांट की जानकारी ले लीजिए,क्योंकि यह बंद पड़े हुए हैं और ऐसे में आप इस संक्रमण से कैसे लड़ेंगे यह आपको समझ में आ जाएगा या फिर कहा जाए तो स्वास्थ्य विभाग बिल्कुल भी इसे लेकर तैयार नहीं है यही आपको लगेगा? और है भी कुछ ऐसा ही स्वास्थ्य विभाग कोरिया यह मान चुका है कि अब कोरोना दोबारा कोरिया जिले में दस्तक नहीं देगा? इसीलिए हुए बेफिक्र है या कहें तो बेपरवाह? यही कारण है कि अब वह ऑक्सीजन प्लांट को चालू करने की बजाय

उसे पूरी तरीके से हटाने की तैयारी में लगा हुआ है, कोविड अस्पताल के पास के एक भवन में जिसे जीएनएम कॉलेज खोलने की सहमति मिली है उसे भवन में कोविड के समय ऑक्सीजन के पाइपलाइन व कई उपकरण लगाए गए थे ताकि कोविड के संक्रमण बढ़ने पर मरीज को इससे बचाया जा सके, अब उसमें लाखों खर्च होने के बाद अब उसे हटाकर वहां पर जीएनएम कॉलेज खोले जाने की सहमति शासन ने दे दी अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर जो पैसे चार साल पहले वहां खर्च हुए थे क्या वह बर्बाद हो गए? कोरोना की तीसरी लहर के दौरान कोरिया जिले में बना ऑक्सीजन प्लांट विगत कई वर्षों से बन्द है, सही समय पर और सही तरीके से मेंटेनेंस नहीं होने के कारण इस प्लांट की हालत खस्ता हो चुकी है,लोगो की जान बचाने के लिए लाखों रुपये की लागत से बनाया गया ऑक्सीजन प्लांट शायद खुद मेंटेनेंस रूपी ऑक्सीजन का मोहताज होने के कारण दम तोडने की कगार पर जा पहुचा है। इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट, जिसे कोविड की तीसरी लहर के दौरान स्थानीय मरीजों को ऑक्सीजन सप्लाई करने के लिए लाखों रुपये खर्च कर तैयार किया गया था,अब पूरी तरह बंद है। इस प्लांट के लगने से क्षेत्र के लोगो को ऑक्सीजन की कमी से कभी जूझना नही पड़ता लेकिन शायद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही ने इस प्लांट का दम निकाल दिया,वर्तमान में कोविड हॉस्पिटल के इस प्लांट की स्थिति तो दयनीय है ही अस्पताल की स्थिति और ज्यादा खराब दिखाई देने लगी है,अस्पताल में बड़ी बड़ी झाड़ियां उग आई हैं चारो तरफ कबाड़ गाड़ियां खड़ी कर दी गई हैं, और वही यह प्लांट भी फिलहाल अपना दम तोड़ रहा है, सूत्र बताते हैं कि कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल में स्थित ऑक्सीजन प्लांट के बंद होने का सबसे बड़ा कारण है प्लांट की देखरेख और मेंटेनेंस का ना होना, इस प्लांट की तीन साल की वारंटी अवधि समाप्त हो चुकी है और अब इसे सुधारने या रखरखाव के लिए स्वास्थ्य विभाग को जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी. जिसमे फिर से काफी राशि लगने की संभावना से इनकार नही किया जा सकता हालांकि, जिला अस्पताल में एक 1000 एलपीएम क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट के काम करने की भी बात कही जा रही थी लेकिन हकीकत यह भी है कि कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल का प्लांट की तरह जिला अस्पताल का भी ऑक्सीजन प्लांट पिछले 6 माह से पूरी तरह से निष्क्रिय होकर बन्द है, वर्तमान में कोरिया जिले में ऑक्सीजन सिलेण्डरों की भरपाई सूरजपुर जिले से हो रही है समय समय पर कोरिया के अस्पतालों के ऑक्सीजन सिलेंडरों की रिफिलिंग सूरजपुर लेजाकर कराई जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में दिया तले अंधेरा की स्थिति है?

कोरिया जिला स्वास्थ्य मंत्री का क्षेत्र माना जाता है अविभाजित कोरिया में स्वास्थ्य मंत्री विधायक रह चुके हैं और कोरिया से टूट कर एमसीबी नया जिला बना तो उसे कोरिया का अंग ही माना जायेगा। लेकिन क्या मंत्री के क्षेत्र में दिया तले अंधेरा की स्थिति बनी हुई है? एक तरफ मंत्री जी कोरोना से लड़ने प्रदेश को तैयार बता रहे हैं दूसरी तरफ उन्ही के क्षेत्र में जिले के ऑक्सीजन प्लांट बन्द पड़े हैं तो दूसरे जिलों का आंकलन इसी से किया जा सकता है, कोरोना वापसी की सम्भवना व्यक्त की जा रही है वही दूसरी तरफ यदि कोरिया जिले की स्थिति ठीक नही हुई तो यहां का क्या होगा,पिछली लहर का भयावह दृश्य सबने देखा है लेकिन कोविड से लड़ने में कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल की भूमिका बहुत अहम रही, लेकिन वर्तमान में कोविड हॉस्पिटल की बदहाल स्थिति जमे हुए कचरे और झाड़ियों के साथ ऑक्सीजन प्लांट के बन्द होने के बाद यदि कोविड के मामले आने लगे तो इस स्थिति में कैसे नियंत्रण किया जाएगा यह बड़ा सवाल है, कोरिया जिले कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल का ऑक्सीजन प्लांट बन्द हुए लगभग 3 साल हो गए वही जिला अस्पताल का प्लांट भी लगभग 6 माह से बन्द है बावजूद इसके ऑक्सीजन प्लांट हैण्डलरो को डीएमएफ से बराबर वेतन दिया जा रहा है जबकि वे स्थायी कर्मचारी नही है, इसे बिना काम के वेतन देना ही कहा जा सकता है।

पूर्व अधिकारियों ने जमकर किया शासकीय राशि का दुरूपयोग

स्वस्थ्य विभाग के पूर्व मठाधीशों ने कोरोना काल के दौरान व्यवस्था बनाये जाने के नाम पर स्वास्थ्य विभाग के राशि का जमकर दुरूपयोग किया, अनाप शनाप दर पर कई सामग्रियों की खरीदी कर ली गई जिसमें गुणवत्ता का ख्याल नही रखा गया, यदि पूर्व सी एम एच ओ कार्यकालों की जांच कराई जाए तो कई बड़े मामले सामने आ सकते हैं , पूर्व अधिकारियों की कई शिकायतें भी हुई थी लेकिन उन्हें दबा दिया गया कइयों का भुगतान अभी तक नही कराए गए हैं, नए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारि को बहुत सी चीजों को समझना होगा और कड़े निर्णय लेने होंगे तभी विभाग में सक्रियता आने की संभावना बनी रहेगी।

लगभग 40 बेड पर एक साथ ऑक्सीजन सप्लाई की थी क्षमता

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय मे कोविड हॉस्पिटल परिसर में चार साल पहले इस 500 एमपीएम क्षमता वाले ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की गई थी, यह प्लांट 40 बेड पर एक साथ ऑक्सीजन सप्लाई करने की क्षमता रखता था, अस्पताल के आईसीयू में इसके लिए पाइपलाइन कनेक्ट की गई थी,कोविड काल तक यह व्यस्था चली लेकिन अंत तक यह व्यवस्था बंद हो गई, अब प्लांट में ताला लटका हुआ है आस पास झाड़ियां उग आई है और इसके पूरी तरह खराब होने की आशंका भी जताई जा रही है।

क्या जीएनएम कालेज हेतु फिर खाली कराया जाएगा प्लांट?

कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल के बगल में पुनः जीएनएम कालेज खोले जाने की सहमति शासन ने दी है बजट में इसका प्रावधान भी किया गया है, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पुनः प्लांट और अन्य आवश्यक उपकरण की स्थापना जो ऑक्सीजन प्लांट के लिए की गई थी उनको हटाया जाएगा, यदि हटाया जाएगा तो हटाने और पुनः अन्यत्र जगह शिफ्टिंग में भारी भरकम खर्च किया जाएगा। सूत्रों की माने तो जीएनएम कालेज पुर्व से स्वीकृत था उसे तोड़ फोड़ कर आवश्यक परिवर्तन कर कोविड हॉस्पिटल बनाया गया, अब पुनः जीएनएम कालेज की स्वीकृति मिली तो क्या पुनः कोविड हॉस्पिटल में परिवर्तन किया जाएगा यह बड़ा सवाल है।

कोविड की रोकथाम के लिए पुनः हुई मॉक डीलःसूत्र

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कोविड के पुनः पैर पसारने की सूचना मिलने के बाद राज्य शासन एलर्ट मोड में आई और स्वस्थ्य मंत्री ने कहा कि हम तैयार है और इसी तैयारी के तहत राज्य शासन के निर्देश पर मार्क डील भी हुई, लेकिन बगैर ऑक्सीजन प्लांट के यह कैसी मार्क डील थी यह समझ से परे है। कोविड हॉस्पिटल के काफी समय से बन्द होने के कारण वहां के काफी कुछ उपकरण खराब हो चुके हैं सूत्र बताते हैं काफी समान पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वस्थ्य अधिकारी के कार्यकाल में ही अन्य हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिए गए और कुछ वहां खराब हो गए, सेंट्रल ऑक्सीजन सप्लाई के लिए कॉपर पाइप की वायरिंग कराई गई जिसके 2 साल पहले ही खराब होने की जानकारी सूत्रों से मिल रही है इसके अलावा मुख्य बातों पर गौर करें तो वायरोलॉजी लैब भी बन्द है, ऐसे में कोविड की जांच कैसे होगी जांच के उपकरण सही स्थिति में हैं या नही, सभी कोविड टेक्नीशियन और स्टाफ जो कोविड के तहत काम पर रखे गए थे राज्य शासन ने उन्हें हटा दिया है, ऐसे में यदि कोविड पुनः पैर पसारा तो कोरिया में क्या स्थिति बनेगी इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

किराए से लिया गोदाम 8 किलोमीटर दूर

जीएनएम कालेज में ही गोदाम बनाया गया था जहां आवश्यक दवाइयां फ्रीजर इत्यादि और अन्य आवश्यक उपकरण रखे गए थे जो कि जरूरत पड़ने पर तत्काल हॉस्पिटल तक पहुच जाते थे लेकिन स्वस्थ्य विभाग द्वारा उसे हटा कर किराए का गोदाम लिया गया जो कि सुविधा विहीन है और जिला अस्पताल से लगभग 8 किलोमीटर दूर है जहां आपात स्थिति में आने जाने में कठिनाई होती है और समय भी ज्यादा लगता है, किराए के गोदाम में उतनी सुविधा भी उपलब्ध नही बावजूद इसके स्वस्थ्य विभाग द्वारा किराए का गोदाम लेकर पिछले तीन चार सालों से भारी भरकम राशी किराए पर दी जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या शासन के पास कोई भी ऐसा अतिरिक्त भवन नही था जिसे गोदाम बनाया जा सकता था। एक तरफ भारी भरकम भवन बिना उपयोग खंडहर हो रहे हैं दूसरी तरफ प्रशासन को किराए के भवन से काम चलाना पड़ रहा है यह सोच का विषय है । सूत्र बताते हैं की स्थानीय पत्रकार को फायदा पहुचाने के उद्देश्य से उक्त गोदाम किराए पर लिया गया है ताकि विभाग की कमियां भी उजागर न हो और सबंधित को फायदा मिलता रहे, कुछ सूत्रों का तो यह भी कहना है कि, जिस दिन विभाग अपना सामान शासकीय भवन में शिफ्ट करेगा उसके बाद से विभाग की कमियां नजर आने लगेगी।

श्रमिक नेता योगेन्द्र मिश्रा का अपने जन्म दिवस पर रक्तदान करने का सिलसिला अनवरत जारी

श्रमिक नेता योगेंद्र मिश्रा अब तक 32 बार कर चुके हैं रक्तदान

जीएम,एसईसीएल डिस्पेंसरी में भव्य रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

श्रमिक नेता योगेन्द्र मिश्रा ने अपने साथियों के साथ रक्तदान कर मनाया जन्मदिन व विश्व रक्त दाता दिवस

इन 40 लोगों ने किया रक्तदान

रक्तदाताओं करने में राजेंद्र कुमार,योगेन्द्र कुमार मिश्र,देवेन्द्र कुमार जायसवाल,गोपाल नारायण यादव,अभिषेक द्विवेदी,मोहन सिंह,महेश कुमार,राजदेव राम,मोहन बीपी,अशोक निर्मलकर,संदीप उरांव,नीरज ठाकुर, संजय राय,मुकेश कुमार,भानु प्रताप,अविनाश शर्मा,प्रवीण खलखो,राजन प्रसाद सिंह,चंद्र शेखर महतो,अमन कुमार सिंह,रवि कुर्रे, अमन वर्मा,अहमद रजा,विपिन सिंह,कमलेश गुप्ता,अभिजीत दुबे, कौशल चंद्रा,संतोष कुमार,विपिन कुमार,विष्णु, दारा सिंह,सुमित लाल,शुभम राजवाड़े,धर्मराज,मनीष,अनीश कुमार सिंह,अजय सेन,सुनील यादव, नितेश साहू,महेश देवांगन।

-रवि सिंह-

कोरिया,16 जून 2025 (घटती-घटना)।

सहक्षेत्र कटकोना में कार्यरत कर्मचारी व श्रमिक नेता हमेशा सबके सुखदुख में शामिल होते है और वह अपने खुद का जन्मदिन प्रत्येक वर्षो के भांति इस वर्ष भी रक्तदान कर मनाया। संयोगवश इनका जन्म दिन व रक्तदान दिवस दोनों ही एक ही दिन पड़ता है और वह प्रत्येक वर्ष अपने जन्म दिन पर जरूरतमंदों के लिये रक्तदान कर अगल अंदाज में अपना जन्म दिन मनाते है। इस बार भी श्रमिक नेता योगेन्द्र मिश्रा व उनके साथीयों ने रक्तदान किया, अभी तक योगेंद्र मिश्रा ने करीब 32 बार रक्तदान कर चुके है। श्रमिक नेता योगेन्द्र मिश्रा सदैव ही अपने साथ-साथ दूसरे की चिंता करते है यही वजह है कि अपने जन्म दिन पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान किया और उनके इस नेक कार्य में सहयोग देने के लिये उनके साथी भी रक्तदान दिवस में रक्तदान महादान के परम्परा को जीवित रखे हुये है। ऐसा ही कार्यक्रम आयोजित कर योगेन्द्र मिश्रा व उनके 40 साथियों ने 40 युनिट रक्तदान किया। यही वजह है कि योगेन्द्र मिश्रा क्षेत्र के लिये प्रेरणास्त्रोत बने हुये है उनकी इसी समाज सेवा, जनकल्याणकारी सोच की वजह से प्रत्येक वर्ष उनके साथ रक्तदान करने वालों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है।

राजेंद्र कुमार महाप्रबंधक (संचालन) बैकुंठपुर क्षेत्र ने सर्व प्रथम रक्तदान कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसके बाद कोयला मजदूर सभा के महामंत्री योगेन्द्र कुमार मिश्र ने सब से पहले रक्तदान किया, प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के तत्वाधान में कोयला मजदूर सभा एचएमएस श्रम संगठन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन एसईसीएल डिस्पेंसरी बैकुंठपुर में आयोजित किया गया,रक्तदान शिविर का उद्घाटन राजेंद्र कुमार महाप्रबंधक (संचालन) बैकुंठपुर क्षेत्र एवं डॉ. आयुष जायसवाल सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर जिला कोरिया के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में सीएमओ क्षेत्रीय चिकित्सालय चरचा डॉ. संजय सिंह,क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एल.के. तिर्की, स्टाफ ऑफिसर ई एंड एम श्री दास, डॉ.रोहित,एचएमएस के महामंत्री योगेन्द्र कुमार मिश्र, कार्मिक प्रबंधक गौरव दुबे, एचएमएस के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश अग्निहोत्री,रमेश जायसवाल, एचएमएस कटकोना अध्यक्ष अजय सिंह एचएमएस पांडवपारा के सचिव राजदेव राम एचएमएस चरचा वेस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार निर्मलकर, सचिव महेश कुमार, क्षेत्रीय मुख्यालय बैकुंठपुर के अध्यक्ष आशीष शुक्ल, गोपाल नारायण, देवेंद्र जायसवाल, मोहन बी.पी, संदीप उरांव,मुकेश कुमार,नीरज ठाकुर, संतोष कुमार, कुशल सिंह, रवि राजवाड़े, मोहन सिंह, अमन सिंह, राजन सिंह , भानु प्रताप, अविनाश शर्मा, चंद्र शेखर महतो, प्रवीण खलखो,विकास कुमार,अमन वर्मा, रवि कुर्रे, केशरी नंदन टीम के सभी सदस्य, कमलेश गुप्ता, सनी सिंह, राकेश चक्रधारी, विक्की सावरे, अवधेश राजवाड़े, कौशल चंद्रा उपस्थित रहे।

1991 से कर रहे है रक्तदान

योगेन्द्र कुमार मिश्र ने बता की वर्ष 1991 से पीजी कालेज अम्बिकापुर में अध्ययन करते समय कॉलेज में खबर आया तो पहली बार होली क्रॉस हॉस्पिटल अम्बिकापुर में अपने साथी प्रदीप मिश्रा जो अभी भोपाल में डीएसपी है, उनके साथ जाकर दोनों ने रक्तदान किया था उसके बाद लगातार प्रत्येक वर्ष रक्तदान कर रहे हैं साथ ही अपने श्रम संगठन कोयला मजदूर सभा (हिन्द मजदूर सभा) के द्वारा प्रत्येक वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्त दान शिविर का आयोजन कराते है साथ अपने आपको सौभाग्य शाली मानते है की उनका जन्मदिन विश्व रक्तदाता दिवस के दिन पड़ता है।

मेरे एक यूनिट रक्त से किसी के प्राण बच सके तो इससे अच्छा और क्या हो सकता है...

श्री मिश्रा ने बताया कि मुझे अच्छा लगता है कि मैं प्रत्येक वर्ष अपना रक्त दान कर किसी जरूरतमंद का सहयोग करूं यदि मेरे एक यूनिट रक्त से किसी के प्राण बच सके तो इससे अच्छा और क्या हो सकता है,मेरे जन्म दिन के लिये। इसी सोच के साथ मैं प्रत्येक वर्ष अपने साथ अपने साथियों को भी प्रेरित करता हूं कि विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदान दान कर पून्य के भागीदार बनें और अपना मानव जीवन को सफल बनायें।

C M Y K

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 7

हेडिंग्ले लीड्स में आसान नहीं टीम इंडिया की जीत

अब तक केवल दो ही मैच अपने नाम कर पाई है टीम इंडिया

लंदन,16 जून 2025। भारतीय क्रिकेट टीम 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलते हुए नजर आएगी। वैसे तो सीरीज पांच टेस्ट मैचों की है, जिसका पहला मुकाबला हेडिंग्ले लीड्स में होगा। इसलिए अभी इसी पर फोकस ज्यादा है। भारत के लिए इस मैदान पर इंग्लैंड को पछाड़ना आसान नहीं होगा, क्योंकि टीम इंडिया यहां पर ज्यादा मैच जीती नहीं है।

साल 1952 में भारत ने इस मैदान पर खेला था पहला टेस्ट

टीम इंडिया ने हेडिंग्ले लीड्स में अपना पहला टेस्ट मुकाबला साल 1952 में खेला था। तब टीम इंडिया को वहां पर सात विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इसके बाद साल 1959 में फिर से इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड की टीमें आमने सामने आती हैं। इस बार भारत को पारी और 173 रनों की हार झेलने के लिए विवश होना पड़ता है। साल 1967 में फिर से इंग्लैंड की टीम भारत को इसी मैदान पर 6 विकेट से पटकनी देती है। यानी यहां पर भारतीय टीम हार की हैट्रिक पूरी कर चुकी थी।

साल 1979 में भारतीय टीम ने खेला ड्रॉ

इसके बाद आया साल 1979, एक बार फिर से इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच टक्कर होती है। इस मैच में भारतीय टीम को हार का दंश नहीं झेलना पड़ता, लेकिन जीत भी नहीं मिलती है। यानी ये मुकाबला ड्रॉ पर खत्म होता है। भारतीय टीम के लिए यही बड़ी बात थी कि कम से कम हार का सिलसिला तो टूटा।

साल 1986 में पहली बार टीम इंडिया को हेडिंग्ले लीड्स में मिली जीत

अब आते हैं साल 1986 पर। ये वो साल था, जब भारतीय टीम ने हेडिंग्ले लीड्स में अपना पहला टेस्ट मैच जीता। तब कपिल देव भारतीय टीम के कप्तान हुआ करते थे। भारत ने उनकी कप्तानी में इंग्लैंड को 279 रनों के ठीकठाक अंतर से मात दी थी। इसके लंबे समय बाद साल 2002 में फिर से भारत और इंग्लैंड की टीम इसी मैदान पर फिर से आमने सामने आती हैं। इस बार भी टीम इंडिया पारी और 46 रन से मैच को अपने नाम करती है। इस बार भारतीय टीम की कमान सौरव गांगुली के हाथ में थी।

साल 2002 में विराट कोहली की कप्तानी में मिली थी हार

साल 2002 के बाद फिर से इस मैदान भारत और इंग्लैंड के बीच साल 2021

में फिर से मैच हुआ। इस बार भारतीय टीम की कमान विराट कोहली के हाथ में थी, लेकिन वे अपना नाम कपिल देव और सौरव गांगुली वाली लिस्ट में नहीं लिखवा पाए, जिन्होंने अपनी कप्तानी में हेडिंग्ले लीड्स में जीत दर्ज की थी। कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया को पारी और 76 रन से हार मिली थी। अब फिर से 20 जून को इसी मैदान पर भारत बनाम इंग्लैंड मुकाबला है। देखना होगा कि क्या शुभमन गिल इस मैच में भारतीय टीम को जीत दिलाने में कामयाब हो पाते हैं।

जसप्रीत बुमराह और सिराज तो ठीक,लेकिन इसके बाद फंसा है पेंच

भारतीय टीम जब 20 जून को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेगी तो उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि किस प्लेइंग इलेवन के साथ उतरा जाए। अभी हम यहां पर पूरी प्लेइंग इलेवन की बात ना कर केवल पेसर्स की बात करते हैं। पहले टेस्ट के लिए भारत के दो तेज गेंदबाज तो करीब करीब तय हैं, लेकिन तीसरा तेज गेंदबाज कौन होगा, इसको लेकर अभी तक सस्पेंस है और फैसला नहीं लिया जा सका है।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का खेलना पक्का

टीम इंडिया जब इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेलने के लिए मैदान में उतरेगी तो उसके पहले दो तेज गेंदबाज तो जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ही होंगे। इसमें ज्यादा शक नहीं होना चाहिए। लेकिन तीसरा तेज गेंदबाज कौन होगा, इसको लेकर पत्ते खुलने अभी बाकी हैं। भारत के पास प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में एक ऐसा गेंदबाज है, जो इंग्लैंड की सरजमीं पर ट्रंप कार्ड साबित हो सकता है। इसके साथ ही अर्शदीप सिंह के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि अभी की परिस्थिति को अगर नजर में रखें तो इन दोनों में से एक को ही मौका दिया जाएगा। प्रसिद्ध ने अभी हाल ही में आईपीएल में कमाल का खेल दिखाया है, वहीं अर्शदीप सिंह भी बाएं हाथ के गेंदबाज हैं, जो अपने टेस्ट डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं।

आकाशदीप को अभी मौका मिलना मुश्किल

वैसे तो विकल्प के तौर पर आकाशदीप को भी देख जा सकता है, लेकिन उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी मौका नहीं दिया है, इससे माना जा सकता है कि वे अभी कम से कम पहले टेस्ट के लिए तो भारतीय टीम के प्लान में नहीं हैं। शार्दुल ठाकुर एक और विकल्प हैं, लेकिन वे अर्शदीप और प्रसिद्ध के साथ नहीं, बल्कि अपनी अलग ही लड़ाई लड़ रहे हैं। भारत के पास दो तेज गेंदबाज हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसमें शार्दुल ठाकुर के अलावा नितीश कुमार रेड्डी का नाम आता है।

टीम इंडिया को चाहिए ऑलराउंडर्स

टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ दो से तीन ऐसे खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है, जो गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में भी अपना काम कर सकें। इसमें रवींद्र जडेजा के अलावा शार्दुल ठाकुर और नितीश कुमार रेड्डी का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। लेकिन टीम मैनेजमेंट क्या कुछ करने वाला है, इसका अभी तक कोई अंदाजा नहीं है। देखना होगा कि आखिरी वक्त में कप्तान शुभमन गिल क्या निर्णय लेते हैं।

संक्षिप्त खेल की खबरें

पंजाब एफसी ने डिफेंडर मुहम्मद उवैस के साथ अनुबंध की घोषणा की

मोहाली,16 जून 2025। पंजाब एफसी ने आगामी सत्र के लिए डिफेंडर मुहम्मद उवैस के साथ अनुबंध की घोषणा की है। फुल-बैक ने आखिरी बार इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के लिए खेला था, जहां वह आईएसएल कप सेमीफाइनल और कलिंगा सुपर कप फाइनल दोनों में पहुंचे थे। उवैस 2022 में जमशेदपुर एफसी में शामिल हुए और तीन सत्रों में क्लब के लिए 56 मैच खेले, जिसमें उन्होंने चार असिस्ट और एक गोल किया, जो इस सीजन में बेंगलुरु एफसी के खिलाफ आया। उवैस ने शेर्स के साथ एक बहु-वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

टेक्सास सुपर किंग्स ने नाइट राइडर्स पर 57 रनों से शानदार जीत दर्ज की

कैलिफ़ोर्निया,16 जून 2025। अफ़गानिस्तान के स्पिन जादूगर नूर अहमद ने चार विकेट चटकाए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि बल्ले से उनके साथियों के प्रयास व्यर्थ नहीं गए, क्योंकि टेक्सास सुपर किंग्स ने ओकलैंड कोलिज़ीयम में आयोजित मेजर लीग क्रिकेट के पांचवें गेम में लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स को 57 रनों के अंतर से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। एलए नाइट राइडर्स के कप्तान सुनील नरेन का पहले गेंदबाजी करने का फैसला उनके पक्ष में नहीं रहा।

वनडे वर्ल्ड कप 2025 में पांच अक्टूबर को होगा भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

भारत के मैचों का शेड्यूल

भारत बनाम श्रीलंका	30 सितंबर	बेंगलुरु
भारत बनाम पाकिस्तान	05 अक्टूबर	कोलंबो
भारत बनाम साउथ अफ्रीका	09 अक्टूबर	विशाखापट्टनम
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	12 अक्टूबर	विशाखापट्टनम
भारत बनाम इंग्लैंड	19 अक्टूबर	इंदौर
भारत बनाम न्यूजीलैंड	23 अक्टूबर	गुवाहाटी
भारत बनाम बांग्लादेश	26 अक्टूबर	बेंगलुरु

बेंगलुरु,16 जून 2025। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने वाली है। इस वर्ल्ड कप का शेड्यूल सामने आ चुका है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला भारत और श्रीलंका महिला टीमों के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन फैंस को इंतजार है भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले हाई प्रोफाइल मैच का। यह मैच 05 अक्टूबर को श्रीलंका के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके अलावा भारत का मैच बांग्लादेश से 26 अक्टूबर को होगा।

ऑस्ट्रेलिया इस टीम के खिलाफ करेगी अपनी अभियान की शुरुआत

डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपने अभियान की शुरुआत 01 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के साथ करेगी। यह मुकाबला इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं उसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम अपना अगला मैच 08 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबला 22 अक्टूबर को इंदौर में खेला जाएगा।

पाकिस्तान की टीम कोलंबो में खेलेगी अपने सभी मुकाबले

आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। जहां पाकिस्तान की टीम अपने सभी मुकाबले कोलंबो में खेलेगी। पाकिस्तान अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ 02 अक्टूबर को खेलेगी। वहीं 15 अक्टूबर को उनका सामना इंग्लैंड से होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 18 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके बाद पाक टीम साउथ अफ्रीका से 21 अक्टूबर और श्रीलंका से 24 अक्टूबर को भिड़ेगी।

टूर्नामेंट में खेले जाएंगे 28 मुकाबले

महिला वर्ल्ड कप 2025 में कुल 28 लीग मैच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन नॉकआउट मैच होंगे। सभी मुकाबले भारत के शहर बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी और विशाखापट्नम में होंगे। वहीं श्रीलंका में खेले जाने वाले मैचों का आयोजन आर प्रेमदासा स्टेडियम में किया जाएगा। अगर पाकिस्तान की टीम नॉकआउट स्टेज में पहुंचने में कामयाब रहती है तो पहला सेमीफाइनल मैच 29 अक्टूबर को कोलंबो में होगा, अगर उनकी टीम लीग स्टेज से बाहर हो जाती है तो फिर ये सेमीफाइनल गुवाहाटी में होगा। इसी अनुसार फाइनल मैच भी 02 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा।

जिसे समझा अपना आइडल,उसी के साथ इंग्लैंड दौरे पर खेलेंगे साईं सुदर्शन

नई दिल्ली,16 जून 2025। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से लीड्स में टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। इसी बीच शानदार फॉर्म से चल रहे बाएं हाथ के बल्लेबाज बी साईं सुदर्शन ने खुलासा किया है कि तमिलनाडु टीम के साथी खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर उनके प्रेरणास्रोत रहे हैं। ऐसा पहली बार है, जब वॉशिंगटन सुंदर और साईं सुदर्शन इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं। सुदर्शन ने बीसीसीआईडॉटटीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, जब मैं युवा था, तब से ही वाशिंगटन मेरे प्रेरणास्रोत रहे हैं। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो मैंने उनसे बहुत प्रेरणा ली है। जिस तरह से वह आगे बढ़े और देश के लिए खेले, वह वाकई बहुत शानदार था। उल्लेखनीय है कि आईपीएल में कुछ साल अच्छा खेलने के बाद वाशिंगटन सुंदर को भारत की सीनियर टीम में खेलने का मौका मिला था। साई सुदर्शन ने आगे बताया, जब मैं छोटा था, तब से उन्हें जानता हूं। उनके साथ खेलता हूं। यह एक तरह की प्रेरणा है। इससे मुझे लगा कि मैं भी उसी तरह से खेलना चाहता हूं। वह बचपन से ही मेरे लिए प्रेरणा रहे हैं। आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप जीतने वाले सुदर्शन भारत के लिए तीन वनडे और एक टी20 मैच खेल चुके हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वह प्रभावशाली नजर आए हैं। सुदर्शन ने काउंटी टीम सरे के लिए दो सत्रों में 281 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने टीम को चैंपियनशिप जिताने में अहम रोल निभाया।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने लगाई जीत की हैट्रिक

नई दिल्ली,16 जून 2025। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के छठे मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने कैलिफोर्निया में खेले गए मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क को तीन विकेट से मात दी। यह इस सीजन में सैन फ्रांसिस्को की लगातार तीसरी जीत है। टीम प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर मजबूती से खड़ी है। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने मोनांक पटेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। मोनांक ने 20 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि क्विंटन डी कॉक ने 38 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 63 रन की पारी खेली। क्विंटन डी कॉक इस पारी में अर्धशतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। उनके अलावा कीरोन पोलार्ड ने 16 गेंदों में 30 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर एमआई को विशाल स्कोर तक पहुंचाने का काम किया। विपक्षी टीम की ओर से हसन खान, हारिस रऊफ और कार्मी ले रॉक्स ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। जेवियर बार्टलेट ने एक विकेट लिया। टारगेट का पीछा करने उतरी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स छह ओवरों के खेल तक 4 विकेट गंवा बैठी थी। अब तक टीम के खाते में सिर्फ 42 रन ही जुड़े थे। इसके बाद हसन खान ने टिम सीफर्ट के साथ मिलकर 64 रन की साझेदारी की। इस जोड़ी ने टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। हसन खान 12वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए। वह 17 गेंदों में 43 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर पवेलियन लौटे, जिसमें 5 छक्के और 2 चौके शामिल थे। अगले ही ओवर में टिम सीफर्ट (33) भी चलते बने। यहां से जेवियर बार्टलेट ने मोर्चा संभालाते हुए 25 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 59 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को 5 गेंदें शेष रहते जीत दिला दी। नवीन-उल-हक और एहसान आदिल एमआई न्यूयॉर्क की ओर से दो-दो विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों में शामिल रहे।

जन्म दिन पर विशेष

बीते समय में कभी नक्सली हुआ करता था ये सुपरस्टार

एक्टर बनने के बाद भी देखी गरीबी,खाने के बदले देता था इंटरव्यू

फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाला हर कलाकार इसी चाहत के साथ आता है कि उसकी फिल्मों को और उसे दर्शकों से प्यार मिले। आज बॉलीवुड के एक ऐसे ही दिग्गज अभिनेता का जन्मदिन है, जिसने कड़ी मेहनत के दम पर ना सिर्फ अपनी पहचान बनाई बल्कि वो मुकाम हासिल किया जो कई सितारे अच्छे-खासे बैकग्राउंड से होने के बाद भी हासिल नहीं कर पाते। ये वो सुपरस्टार हैं, जो कभी एक नक्सली गैंग का हिस्सा हुआ करते थे, लेकिन फिर इन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्मी दुनिया में नाम और शोहरत हासिल की। जी हां, हम बात कर रहे हैं मिथुन चक्रवर्ती की, जिनका आज 75वां बर्थडे है।

मिथुन चक्रवर्ती का डेब्यू

मिथुन चक्रवर्ती ने 1976 में मृगया से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए मिथुन दा को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। रातों-रात जैसे उनकी किस्मत चमक उठी,लेकिन इसके बाद भी स्ट्रगल का दौर जारी रहा। स्टारडम के बाद भी ये वह भूख से लड़ रहे थे। मिथुन चक्रवर्ती कई बार अपने संघर्ष के बारे में बात कर चुके हैं। मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उनके पिता एक बार वह इस हालत में थे कि जब एक पत्रकार ने उनसे इंटरव्यू के लिए पूछा तो उन्होंने बिना सोचे समझे बस उससे खाना मांगा और कहा- मुझे बिरयानी खिला दो, मैं इंटरव्यू दे दूंगा।

मिथुन चक्रवर्ती का संघर्ष

मिथुन चक्रवर्ती की जिंदगी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। युवा दिनों में वह एक नक्सली गैंग का हिस्सा हुआ करते थे, जिसके चलते उनके पिता ने उन्हें शहर छोड़ने को कह दिया था। वहीं जब उनके भाई की एक एक्सीडेंट में मौत हो गई तो वह नक्सलों का साथ छोड़कर बॉम्बे के लिए निकल गए। लेकिन, यहां सर्वाइव करना उनके लिए इतना भी आसान नहीं था। एक इंटरव्यू

के दौरान अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा था- मैंने ऐसे दिन भी देखे हैं, जब मुझे कभी-कभी खाली पेट सोना पड़ता था। मैं भूखे पेट रोते हुए सो जाता था। ऐसे भी दिन थे, जब मेरे दिमाग में ये ख्याल आते थे कि न जाने अगली बार मुझे खाना कब मिलेगा और मैं कहां सोऊंगा। मैं कई दिनों तक फुटपाथ पर भी सोया हूं।

मिथुन चक्रवर्ती का फिल्मी सफर

मिथुन चक्रवर्ती के सांवले रंग के चलते ज्यादातर लोगों का कहना था कि वह कभी एक हीरो नहीं बन सकते। लेकिन, उन्होंने तमाम रुकावटों को पार करते हुए सिनेमा की दुनिया में वो मुकाम हासिल किया जो बड़े-बड़े गुड लुकिंग एक्टर भी हासिल नहीं कर पाते। उन्होंने मृगया से डेब्यू किया, पहली ही फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हुए। एक समय पर उनका स्टारडम उस मुकाम पर पहुंच गया था जब कई बड़े-बड़े एक्टर उनसे परेशान थे। कई ने अभिनेत्रियों से मिथुन के साथ काम न करने को भी कहा। इस दौर में जीनत अमान वो एक्ट्रेस थीं, जिन्होंने किसी की एक ना सुनी और तकदीर में उनके साथ काम किया। इस फिल्म से मिथुन ऐसे चमके कि हर तरफ छा गए और डिस्को डांसर ने उन्हें रातोंरात सुपरस्टार बना दिया।

मिथुन चक्रवर्ती ने जब लगा दी फ्लॉप फिल्मों की लाइन

बता दें, मिथुन चक्रवर्ती का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज है। 1989 में मिथुन चक्रवर्ती एक ही साल में 19 फिल्में रिलीज हुई थीं। इनमें से 10 से ज्यादा फिल्में हिट हुईं। वह फ्लॉप के मामले में भी काफी आगे रहे हैं। वह उन कलाकारों में से हैं, जो बैक टू बैक फ्लॉप देने के बाद भी फिल्मी दुनिया में कदम जमाए रहने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने 1-2 या 8-10 नहीं, लगातार 33 फ्लॉप फिल्में दी थीं और उनके पूरे करियर की बात करें तो उन्होंने 180 फ्लॉप फिल्में दीं, इसके बाद भी वह गॉड ऑफ बॉलीवुड कहलाते हैं।

मिथुन चक्रवर्ती की पर्सनल लाइफ

मिथुन चक्रवर्ती की पर्सनल लाइफ भी एक समय पर उथल-पुथल से भरी थी। उनकी पहले शादी तो 4 महीने के अंदर ही टूट गई थी। उन्होंने 1979 में हेलेना ल्यूक से शादी की थी, लेकिन ये शादी 4 महीने भी नहीं टिक पाई। शादी के 4 महीने बाद मिथुन, हेलेना से अलग हो गए। इसके बाद उन्होंने योगिता बाली संग शादी कर ली। दोनों के चार बच्चे मिमोह,नमाशी,दिशानी और ऊष्मे चक्रवर्ती हैं। इनमें से दिशानी को मिथुन और योगिता ने गोद लिया है।

प्रभास की हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब की प्री-टीजर जारी

प्रभास की फिल्म द राजा साब के टीजर का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज फिल्म का एक प्री-टीजर रिलीज किया। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म द राजा साब के पूरे टीजर को दिखाने का सही समय और तारीख की भी घोषणा की।फिल्म निर्माताओं ने एक्स पर एक प्री-टीजर रिलीज किया और साथ ही यह जानकारी भी दी की कब और कितने बजे फिल्म का पूरा टीजर रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने प्री-टीजर रिलीज के साथ एक्स पर लिखा, द राजा साब- यह एक वाइब से कहीं ज्यादा है...यह एक विद्रोही ऊर्जा है दराजासाबटीजर कल सुबह यानी 16 जदून को 10:52 बजे रिलीज किया जाएगा। मारुति द्वारा निर्देशित हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसके प्री-टीजर में फिल्म की प्रमुख महिलाएं निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और ऋद्धि कुमार ऊपर की ओर देखती हुई दिखाई दे रही हैं,जो किसी चीज से चौंकी हुई दिखाई दे रही हैं। फिल्म के इस दिलचस्प प्री-टीजर ने प्रशंसकों का उत्साह फिल्म के लिए और अधिक बढ़ा दिया है। पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा समर्थित इस फिल्म में थमन ने संगीत दिया है। द राजा साब 5 दिसंबर, 2025 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार,संजय दत्त और योगी बाबू जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रभास हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब के अलावा निर्देशक संदीप वांगा रेड्डी की स्पिरिट में भी नजर आएंगे। इसके अलावा प्रभास के पास कल्कि 2898 एडी 2 और सालार 2 जैसी फिल्में भी हैं।

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 17 JUNE 2025_Layout 2 6/16/2025 11:00 PM Page 8

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

स्कूलों के समय में बदलाव,भीषण गर्मी से राहत

रायपुर,16 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में 16 जून यानी आज से नया शिक्षा सत्र शुरू हो गया है। इस बीच शाला प्रवेशोत्सव के पहले ही दिन राज्य सरकार ने बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी स्कूलों के संचालन समय में बदलाव किया गया है। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि 17 जून से 21 जून 2025 तक प्रदेश की सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त और निजी स्कूलों में कक्षाएं सुबह 7 बजे से 11 बजे तक ही लगेंगी। हालांकि मानसून के आगमन के बाद या परिस्थितियों में बदलाव के अनुसार, समय में पुनः संशोधन किया जा सकता है। आमतौर पर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे या 3 बजे तक ज्यादा संभावना है।

महिला प्रोफेसर ने फांसी लगाकर खत्म कर दी जिंदगी

धमतरी ,16 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में किराए के मकान से महिला प्रोफेसर की लाश बरमाद हुई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान शव के पास से सुसाइड नोट भी बरामद किया गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला रुद्री थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलाशपति नगर का है। जानकारी के

मुताबिक ,महिला प्रोफेसर गर्मी छुट्टियां मनाने रायपुर गई थी और 13 जून को वापस अपने किराए के मकान कैलाशपति नगर लौटी थी। जब पड़ोसियों ने महिला प्रोफेसर सुषमा साहू को आवाज दी तो कोई भी अंदर से जवाब नहीं आया। संदेह पर दरवाजा को तोड़ा गया। अंदर फांसी पर लटकी लाश देकर पड़ोसियों में हड़कंप मच गया। लोगों ने रुद्री पुलिस को सूचना दी। वहीं पड़ोसियों ने इसकी सूचना रुद्री पुलिस को दी.मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया गया। शव का पोस्टमार्टम के लिए धमतरी के जिला अस्पताल लाया गया। फिलहाल महिला प्रोफेसर ने किस वजह से आत्महत्या की है ये अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

रेलवे स्टेशन के पार्किंग में गुंडई करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

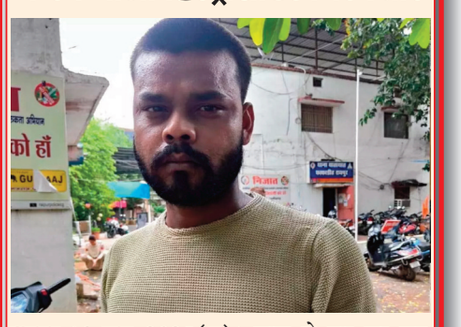

रायपुर,16 जून 2025(ए)। चाकू से वार कर लूट सहित मारपीट की घटना को अंजाम देने वाला हिस्ट्रीशीटर मोह. शेख हुसैन गिरफ्तार हो गया है,रेलवे स्टेशन स्थित पार्किंग में थाना गंज के हिस्ट्रीशीटर मोह. शेख हुसैन द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पार्किंग कर्मचारी को अश्लील गाली गलौच देते हुये मारपीट कर अपने पास रखें चाकू से कर्मचारी को मारकर आहत कर उसके पास रखें नगदी रकम 10,000/- रूपये को लूट की घटना को अंजाम दिया गया था, जिस पर आरोपियों के विरूद्ध थाना जी.आर.पी. रायपुर में अपराध क्रमांक 71/25 धारा 296, 118(2), 351(3), 309(6), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

शिक्षक ने की पत्नी की निर्मम हत्या

पुलिस ने किया गिरफ्तार

नारायणपुर/ओरछा,16 जून 2025(ए)। नारायणपुर

जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक शिक्षक ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना ओरछा थाना क्षेत्र की है।

शाला प्रवेश उत्सव के प्रथम दिन ही थमाया गया झाड़ू

शाला प्रवेश उत्सव के दिन जिन बच्चों का होना था स्वागत,उनके हाथ में थमा दिए गए झाड़ू और फावड़े, करवाई गई सफाई...

महासमुंद,16 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में नया शिक्षा सत्र 2025-26 आज से शुरू हो गया है। पूरे प्रदेश में सरकारी और निजी स्कूलों में 'शाला प्रवेश उत्सव'बड़े ही उत्साह और पारंपरिक अंदाज़ में मनाया गया। कहीं बच्चों का तिलक कर स्वागत हुआ,तो कहीं फूल-मालाओं और मिठाइयों से उनका अभिनंदन किया गया। लेकिन महासमुंद ज़िले के बागबहरा ब्लॉक में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भिलाईदादुर में जो कुछ हुआ,उसने शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

जहां स्वागत होना था, वहां सफाई करवाई गई

जिस दिन बच्चों को शिक्षा की दुनिया में कदम रखना था, उस दिन उनके स्वागत की जगह झाड़ू-पोंछा और फावड़ा थमा दिया गया। स्कूल खुलते ही छात्र-छात्राओं को सफाई में लगा दिया गया। कोई फावड़ा चला रहा था,कोई झाड़ू लगा रहा था, तो कोई कचरा उठाकर खाने के बर्तनों में डाल रहा था। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान और नाराज है।

15 दिन से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का बच्चों पर पड़ा असर

दरअसल, प्रदेशभर के स्कूलों में 15 दिनों से सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जिससे स्कूलों में सफाई की व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। भिलाईदादुर स्कूल में जब सत्र की शुरुआत हुई, तो गंदगी के बीच बच्चों को ही स्कूल की सफाई में लगा दिया गया।

विद्यालय के सहायक शिक्षक तोखन साहू ने सफाई देते हुए कहा कि बच्चों से थोड़ा सहयोग लिया गया, ताकि स्कूल को स्वच्छ बनाया जा सके। लेकिन यह तर्क लोगों को रास नहीं आया। अभिभावक सवाल कर रहे हैं कि क्या शिक्षा सत्र की शुरुआत बच्चों से श्रम करवाकर होनी चाहिए?

जिला शिक्षा अधिकारी ने दिया जांच का आश्वासन

इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे ने कहा कि वीडियो सामने आने के बाद जांच का आश्वासन देते हुए कहा कि इसके लिए जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

सवालों के घेरे में प्रशासन

शिक्षा विभाग पहले ही स्कूल खुलने से पूर्व रंग-रोगन और स्वच्छता के निर्देश दे चुका था। बावजूद इसके ऐसा हाल सामने आना दर्शाता है कि हड़ताल के चलते प्रशासन द्वारा न तो वैकल्पिक इंतज़ाम किए गए और न ही बच्चों की गरिमा का ध्यान रखा गया। बच्चों के अभिभावक सवाल उठा रहे हैं कि जब सरकार को हड़ताल की जानकारी थी, तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई। क्या शिक्षा सत्र की शुरुआत ऐसे होनी चाहिए?

युक्तियुक्तकरण को लेकर शिक्षकों का विरोध जारी

- **स्कूल के पहले दिन काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन**
- **शिक्षक साझा मंच ने आंदोलन को विस्तार देने की बनाई रणनीति**

रायपुर,16 जून 2025(ए)। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को गलत मानते हुए शिक्षक सांझा मंच ने अपना विरोध जारी रखा है। मंच ने अपने आंदोलन को विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में 16 जून याने स्व्होल खुलने के पहले दिन शिक्षकों ने करि पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया।

इससे पूर्व प्रदेश,जिला व संभाग स्तर पर आयोजित आंदोलन के बाद मंच की 14 जून को आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय कर आगामी 5 सितंबर शिक्षक दिवस को प्रदेश स्तरीय विशाल आंदोलन करने का एलान किया है। शिक्षक सांझा मंच के सभी संचालकों ने प्रदेश के समस्त शिक्षकों से इसमें शामिल होने का आव्हान किया है।

शिक्षक पखवाड़े भर पहनेंगे काली पट्टी

शिक्षक सांझा मंच ने तय किया है कि पूरे प्रदेश में शिक्षक काली पट्टी लगाकर 16 जून से 30 जून तक विरोध करेंगे। इसी कड़ी में साझा मंच के सभी पदाधिकारी एवं प्रदेशभर के सभी आम शिक्षक शिक्षिकाएं 16 से 20 जून तक पालकों से संपर्क कर, युक्तियुक्तकरण के विसंगतियों तथा सेटअप में शिक्षक के पदों में कटौती की जानकारी देकर समर्थन प्राप्त करेंगे। युक्तियुक्तकरण से प्रभावित व पीड़ित शिक्षक, डीपीआई एवं शिक्षा सचिव मंत्रालय के नामस्वतः उपस्थित होकर या डाक के माध्यम से आवेदन जमा करेंगे तथा उसकी एक प्रति शिक्षक साझा के ब्लॉक/ जिला/ संभाग/प्रदेश संचालक को देंगे।

मुख्य न्यायाधीश और प्रधानमंत्री को लिखेंगे पत्र

युक्तियुक्तकरण से प्रभावित शिक्षक 20 जून को भारत के मुख्य न्यायाधीश के नाम डाक के माध्यम से आवेदन भेजेंगे। शिक्षक साझा मंच के सभी पदाधिकारी एवं युक्तियुक्तकरण में प्रभावित शिक्षक 30 जून को माननीय प्रधानमंत्री के नाम मांग पत्र भेजेंगे। शिक्षक साझा मंच द्वारा डीपीआई एवं शिक्षा सचिव को विसंगतियों का ज्ञापन दिया जाएगा। राज्य के 146 ब्लॉक मुख्यालय में 1 जुलाई 2025 को शिक्षक शाला बहिष्कार कर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। आगामी 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस को बड़ा प्रदर्शन राज्य स्तर पर किया जाएगा।

शिक्षक साझा मंच ने शिक्षकों से की गई अपील में उल्लेख किया है कि प्रदेश में चल रहे कथित विसंगतियुक्त युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के विरोध में एवं 2008 के सेटअप के अनुरूप भर्ती, पदस्थापना, क्रमोन्नत वेतनमान देने, प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन लागू करने, डी एड योग्यतानुसार पदोन्नति देने की मांगों के समर्थन में 16 से 30 जून तक काली पट्टी लगा कर अपने अपने स्कूलों में कार्य करने का निर्णय लिया गया। इस सन्दर्भ में सभी शिक्षक साथियो से अपील की गई है कि सभी काली पट्टी लगाकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म में फोटो शेयर कर विरोध प्रदर्शन करें।

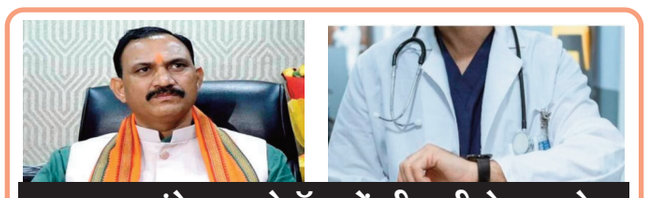

अस्पताल लंबे समय से डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे...

छत्तीसगढ़ में जल्द होगी चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति

रायपुर,16 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में जल्द ही मेडिकल अफसरों की नियुक्ति की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने यह जानकारी दी।निजी कार्यक्रम से लौटकर बलौदा बाजार के सिमगा पहुंचे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी जल्द ही दूर होने वाली है। प्रदेश के अस्पतालों में बांड पर चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया अगले सप्ताह पूरी कर ली जाएगी। मंत्री जायसवाल ने आश्वासन दिया कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं तेजी से पूरी की जा रही हैं ताकि मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके और अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी न हो। राज्य के सरकारी अस्पताल लंबे समय से डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल रहा है, खासकर प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में। इस मुद्दे पर विपक्ष आक्रामक है और एमबीबीएस डॉक्टरों ने भी मोर्चा खोल दिया है। जहां सरकार पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं । इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार एक सप्ताह के भीतर सरकारी अस्पतालों में एमबीबीएस और पीजी मेडिकल शिक्षा प्राप्त डॉक्टरों की नियुक्ति कर समस्या का समाधान करेगी।

स्कूल की पाठ्य पुस्तकें कबाड़ी को बेचती पकड़ी गईं संकुल समन्वयक

डीईओ ने किया सस्पेंड ...

रायपुर,16 जून 2025(ए)। जिले के धरसींवा में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां संकुल समन्वयक पूर्णिमा वर्मा को सरकारी स्कूल की पाठ्यपुस्तकें कबाड़ी को बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूर्णिमा वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की है।

परदेशिया तोमर बंधुओं के वसूलीबाज आए पुलिस के गिरफ्त में

करोड़ो रूपये के लेन-देन का हुआ खुलासा

रायपुर,16 जून 2025(ए)। पुलिस की टीम द्वारा फरार आरोपी परदेशिया तोमर बंधुओं की लगातार पतासाजी कर उन्हें लोकेट करने के प्रयास करने के साथ ही उनके अन्य सहयोगियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र कर उन पर भी लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को परदेशिया तोमर बंधुओं के सहयोगी बंटी सहारे एवं जितेंद्र देवांगन उर्फ़ मोनू जो इनके ब्याज के काम की देख-रेख करते है, के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बंटी सहारे एवं जितेंद्र देवांगन उर्फ़ मोनू की पतासाजी करते हुये दोनों को पकड़ा गया।

टीकाकरण के बाद नवजात की मौत

गुस्साए परिजनों ने किया हंगामा

कवर्धा,16 जून 2025(ए)। जिला अस्पताल कवर्धा से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां पंडरिया से आई एक महिला के तीन दिन के नवजात शिशु की मौत रूटीन टीकाकरण के कुछ देर बाद हो गई। परिजनों ने इसे अस्पताल की गंभीर लापरवाही बताते हुए जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिला की शादी को सात साल हो चुके थे और यह उनका पहला बच्चा था। शनिवार को ऑपरेशन के जरिए शिशु का जन्म हुआ था और सोमवार को टीकाकरण के लिए लाया गया था। टीका लगने के कुछ ही देर बाद नवजात की तबीयत अचानक बिगड़ गई, लेकिन परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में समय पर कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं मिली, जिससे उसकी मौत हो गई।

कई विभागों में ट्रांसफर होंगे आज-कल में

रायपुर,16 जून 2025(ए)। राज्य सरकार की नई स्थानांतरण नीति के तहत स्वेच्छा वर्ग से आवेदन लेने की समयावधि आज खत्म हो रही है। इसके बाद जिला प्रभारी के अनुमोदन से जिले के भीतर तबादलों की सूची तैयार कर जारी की जाएगी। उसके बाद अंतर जिला राज्य स्तरीय तबादले किए जाएंगे। इन तबादलों पर असहमति की स्थिति में पुनर्विचार के लिए अभ्यावेदन देने और उस पर विचार के लिए जीएडी ने वरिष्ठ सचिवों की समिति का गठन किया है। इसमें संयोजक एसीएस मनोज पिंगुवा, सदस्य सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेसी बनाए गए हैं।

कोरोना से मरीज की मौत का पहला मामला

निजी अस्पताल में कोरोना से मौत, परिवार हुआ क्वारंटीन

रायपुर/ राजनांदगांव,16 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एमएमआई अस्पताल में कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत का पहला मामला सामने आया है। मृतक राजनांदगांव का रहने वाला था। परिजनों ने बताया कि सांस लेने में दिक्कत के चलते बुजुर्ग को 14 जून को ही रायपुर स्थित निजी अस्पताल में दाखिल किया गया था, जिसके कुछ ही घंटों बाद उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने उनके कोरोना संक्रमित होने की जानकारी दी थी।

परिवार के सदस्यों का हुआ कोरोना टेस्ट

राजनांदगांव के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नेतराम नवरतन ने मौत की पुष्टि करते बताया कि परिवार ने प्रोटोकॉल के तहत ही बुजुर्ग की अंत्येष्टि की। सोमवार को कांटेक्ट ट्रेसिंग की जाएगी। परिजनों के सैंपल लेकर उन्हें कोविड-19 की जांच के लिए भेजा जाएगा। नतीजे आने तक परिवार होम क्वारंटीन है। बुजुर्ग की कोरोना से मौत की जानकारी परिजनों ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से जारी की। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इस संबंध में लोगों को जागरुक किया जाए।

159 गुण्डे-बदमाश जेल भेजे गए

बिलासपुर,16 जून 2025 (ए)। जिला पुलिस ने गुंडों पर ताबड़तोड़ एक्शन लिया है, इस विशेष अभियान का संचालन एएसपी (शहर) राजेन्द्र कुमार जायसवाल, एएसपी (ग्रामीण) अर्चना झा,एवं एएसपी अनुज कुमार के नेतृत्व में किया गया, लेकिन पूरी योजना और मॉनिटरिंग स्वयं एसएसपी रजनेश सिंह ने की, जिनकी जिले में अपराध मुक्त वातावरण की नीति इस कार्रवाई के पीछे प्रमुख वजह रही। 11 स्थायी वारंट और 19 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए कुल 30 वॉरंट निष्पादित। 2 फरार आरोपी,जो पिछले 5 से 6 वर्षों से पुलिस से बचते फिर रहे थे,अंततः गिरफ्त में आए। 159 गुंडा व निगरानी बदमाशों की उनके निवास पर जाकर जांच की गई, जिनमें से कई की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। 62 संदिग्धों को थानों में बुलाकर आईसीजेएस पोर्टल से फिंगरप्रिंट और सत्यापन की कार्रवाई की गई। जिलाबदर 24 बदमाशों की स्थिति की पुनः जांच की गई, जिनमें से कुछ पूर्व की कार्रवाई में जेल भेजे जा चुके हैं।

गर्म डस्ट में गिरे दो मजदूर गंभीर रूप से झुलसे

मुंगेली,16 जून 2025 (ए)। जिले के रामबोड़ में स्थित बासुदेव स्पंज आयरन प्लांट में आज एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें मेंटेनेंस कार्य के दौरान दो मजदूर गर्म डस्ट में गिरकर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तत्काल बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। हादसा उस समय हुआ जब फिटर पंकज निषाद और ठेकेदार संजय सिंह मेंटेनेंस कार्य के लिए प्लांट के शेड पर चढ़े हुए थे।

अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण दोनों ऊपर से नीचे गर्म डस्ट के ढेर में गिर पड़े। गर्म डस्ट के संपर्क में आने से दोनों मजदूर बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद प्लांट में अफरा-तफरी मच गई और अन्य कर्मचारियों ने तुरंत प्रबंधन को सूचित किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में रेफर किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के खतरनाक मेंटेनेंस कार्य के लिए भेजा गया था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)